E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 277 | गुवाहाटी | गुरुवार, 14 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

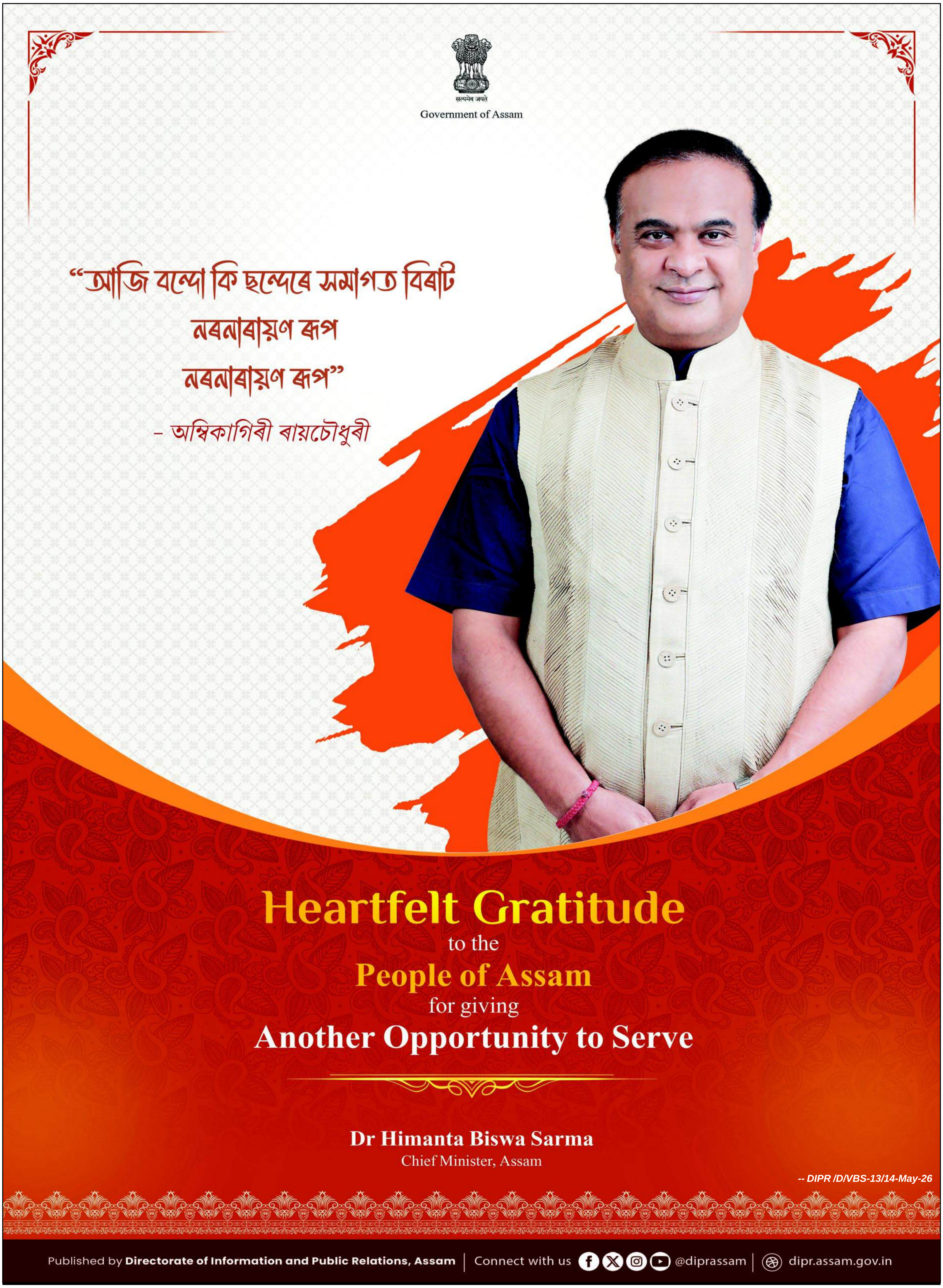

# प्रधानमंत्री मोदी के असम दौरे का व्यापक असर, तालमेल का संकेत

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया असम दौरे को राज्य की राजनीति, विकास और पूर्वोत्तर रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। राज्य में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव से पहले और इसके बाद जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी का असम आगमन हुआ, उसका असम तथा पूर्वोत्तर की जनता पर व्यापक असर देखा जा रहा है। लोगों में यह संदेश गया है कि प्रधानमंत्री सिर्फ चुनाव के मौके पर ही नहीं, बल्कि हर मौके पर असम के साथ जुड़े रहते हैं। पूरे पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी से लेकर सांस्कृतिक विकास, परंपरागत संस्कृति को बाहर तक ले जाने एवं पूर्वोत्तर को पहले दर्जे पर रखने को लेकर प्रधानमंत्री की यहां विशेष छवि बन गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के गठन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री की मौजूदगी ने केंद्र और राज्य सरकार के बीच मजबूत तालमेल का स्पष्ट संकेत दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस दौरे के जरिए भाजपा ने

पूर्वोत्तर में अपने विकास आधारित एजेंडे को और मजबूती देने का प्रयास किया है। केंद्र सरकार लगातार असम को पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार तथा आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने पर जोर देती रही है। इसी दिशा में परिवहन, ऊर्जा और संपर्क व्यवस्था से जुड़ी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को गति दी जा रही है। बीते कुछ महीनों के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा हजारों करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इनमें शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर, असम माला 3.0 सड़क परियोजना, नुमुलीगढ़ रिफाइनरी विस्तार, नॉर्थईस्ट गैस ग्रिड, रेलवे डबलिंग और जलविद्युत परियोजनाएं विशेष रूप से शामिल हैं। इन योजनाओं को पूर्वोत्तर के बुनियादी ढांचे को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार इन परियोजनाओं का लाभ आने वाले वर्षों में व्यापक रूप से देखने को मिल सकता है। अपर असम, बराक घाटी तथा पड़ोसी राज्यों के बीच संपर्क व्यवस्था मजबूत होने की संभावना जताई जा रही है। साथ ही दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ व्यापार, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि सड़क, रेल और जलमार्ग नेटवर्क के विस्तार से उद्योगों, कृषि क्षेत्र और माल परिवहन व्यवस्था को भी बड़ा लाभ मिलेगा। ऊर्जा और आधारभूत संरचना परियोजनाओं के जरिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे युवाओं और स्थानीय कारोबार को बढ़ावा मिल सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के लगातार असम दौरों को राजनीतिक स्थिरता और विकास की निरंतरता के प्रतीक के रूप में भी देखा जा रहा है। ब्रह्मपुत्र नद पर निर्माणाधीन पुल, एक्सप्रेसवे और रेलवे विस्तार योजनाओं को केंद्र सरकार पूर्वोत्तर भारत के बदलते स्वरूप की पहचान के तौर पर प्रस्तुत कर रही है। चाय बागान भूमि अधिकार, ग्रामीण संपर्क और रणनीतिक बुनियादी ढांचे पर केंद्र का विशेष फोकस राज्य के ग्रामीण मतदाताओं, चाय जनजातियों, युवाओं और व्यापारिक समुदाय के बीच भाजपा की पकड़ मजबूत करने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है।

## डिमा हसाओ के सीईएम देबोलाल गार्लोसा को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को डीमा हसाओ स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) देबोलाल गार्लोसा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया शुभकामना संदेश में गार्लोसा को एक समर्पित और ऊर्जावान नेता बताते हुए कहा कि वे डीमा हसाओ के लोगों के कल्याण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। डॉ. शर्मा ने मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से श्री गार्लोसा के दीर्घ, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की प्रार्थना भी की।

## असम के राज्यपाल ने की अपने आधिकारिक काफिले में 70 प्रतिशत कटौती की घोषणा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *आर्थिक आत्मनिर्भरता* और जिम्मेदार राष्ट्र-निर्माण के आह्वान करते हुए असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने राज्य में ईंधन बचाने और टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई उपायों की घोषणा की। आधिकारिक बयान के अनुसार, बुधवार को राज्यपाल ने कहा कि राज्यपाल की यात्रा के लिए इस्तेमाल होने वाले आधिकारिक काफिले का आकार 70 प्रतिशत तक कम कर दिया जाएगा। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने असम के लोक भवन में बिजली की खपत कम करने के लिए भी कदम उठाए हैं। इससे पहले, उन्होंने संसाधनों को बचाने और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के चल रहे प्रयासों के तहत, ईंधन के सामान्य उपयोग में 10 प्रतिशत की कटौती करने के कदम उठाए थे। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि रोजमर्रा के कामों में छोटे लेकिन सार्थक बदलाव, राष्ट्रीय संसाधनों को बचाने और एक अधिक टिकाऊ भविष्य बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पहल संस्थानों और नागरिकों, दोनों को ही, राष्ट्र के व्यापक हित के लिए जिम्मेदार और पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। यह पहल टिकाऊ विकास और *आत्मनिर्भर भारत* के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप शुरू की गई है।

# जुबीन गर्ग हत्याकांड : गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने नामंजूर की श्यामकानु की जमानत याचिका

**गुवाहाटी ( हिंस )।** जुबीन गर्ग हत्याकांड के मुख्य आरोपी श्यामकानु महंत को बुधवार को गौहाटी उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने उनकी जमानत याचिका को स्वीकार नहीं किया। बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से दलीलें पेश की गईं। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद न्यायालय ने जमानत याचिका स्वीकार करने से सीधे इनकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार, जमानत याचिका खारिज होने के बाद कोलकाता से पहुंचे महंत के अधिवक्ता ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार कार्यालय में मामले से संबंधित आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। उल्लेखनीय है कि फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा कई बार जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद श्यामकानु महंत ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। मामले की संवेदनशीलता और जनचर्चा के कारण यह प्रकरण लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष अप्रैल माह में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने चार्जशीट पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था और बाद में 30 अप्रैल को महंत की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। ज्ञात हो कि मामले के एक अन्य मुख्य आरोपी सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका भी इससे पहले फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा खारिज की जा चुकी है।

# प्राग्ज्योतिषपुर विवि के नए कुलाधिपति बने सेवानिवृत्त ले.ज. राणा प्रताप कलिता

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राजधानी गुवाहाटी के चंद्रपुर स्थित प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक अपने तीन शैक्षणिक वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलाधिपति और कुलपति का तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत, भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल (ले.ज.) राणा प्रताप कलिता को विश्वविद्यालय का नया कुलाधिपति नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति तथा देश के अग्रणी शिक्षाविद प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी को अगले कार्यकाल के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। बुधवार को प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के *समुत्कर्ष भवन* में विश्वविद्यालय प्रशासन तथा इसके संस्थापक संगठन शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्था (एसईआरएफ) के संयुक्त तत्वावधान में नव-नियुक्त कुलाधिपति और कुलपति के

स्वागतार्थ एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। *एसईआरएफ* की सचिव प्रोफेसर सुदेष्णा भट्टाचार्य द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में नव-नियुक्त पदाधिकारियों के साथ-साथ निवर्तमान कुलाधिपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी और निवर्तमान कुलपति प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा को औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण में प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय के प्रथम तीन शैक्षणिक वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। नव-नियुक्त कुलपति प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी ने अपने संबोधन में उत्तरपूर्व भारत के साथ अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक संबंधों को स्मरण किया। उन्होंने भारतीय मूल्यों से समृद्ध उच्च शिक्षा का वातावरण निर्मित करने हेतु सभी के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। नए कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने शिक्षा के विभिन्न आयामों के साथ-साथ *समावेशी शिक्षा* के महत्व पर प्रकाश डाला। निवर्तमान कुलाधिपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने भी अपने तीन वर्षीय कार्यकाल के अनुभव साझा किए। शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्था (एसईआरएफ) के अध्यक्ष गंगा प्रसाद प्रसेन ने समारोह का समापन कार्यक्रम को संबोधित दिया तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर योगेश काकती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा एक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई। इस समारोह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री केएन रघुनंदन, अजय दत्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर असम क्षेत्र के प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुवा, असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीपज्योति राजखोवा, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री पवन तिवारी एवं सचिव जगदींद्र राय चौधुरी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि, विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# नागालैंड में सुरक्षा कर्मियों के समक्ष अल्फा (आई) के अभियोजकों ने आत्मसमर्पण कर दिया

**डिमापुर।** अधिकारियों ने बताया कि विद्रोही विद्रोही संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) के एक सक्रिय सदस्य ने सोमवार को नागालैंड में असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा दस्तावेजों के बारे में जानकारी दी। भारतीय सेना ने एक पोस्ट में कहा कि 11 मई 2026 को नागालैंड में असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर अल्फा (आई) के एक सदस्य ने समर्पण कर दिया। इस पहले क्षेत्र में शांति, स्थिरता और अनाड़ी छात्रों की दिशा में निरंतर प्रयास को जोड़ा जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि इस पासपोर्ट ने मैसाचुसेट्स में राष्ट्रपति भवन निर्माण के समन्वित प्रयास के लिए लगातार

छापेमारी की थी। उन्होंने आगे बताया कि समर्पण की प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा कर्मियों ने उस कार्यकर्ता से एक उपकरण बरामद कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना क्षेत्र में विद्रोही विद्रोह में जनता की शांति, स्थिरता और दृढ़ता को मजबूत करने के चल रहे प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा उपकरण संरचित स्की सहायता के माध्यम से समर्पण करने वाले कैडरों के समाज में बंधक रूप से पुन: एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस पासपोर्ट ने मैसाचुसेट्स में राष्ट्रपति भवन निर्माण के समन्वित प्रयास के लिए लगातार छापेमारी की थी।

# असम विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में चंद्रमोहन पटवारी नियुक्त

**गुवाहाटी ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं टिहू विधानसभा क्षेत्र के विधायक चंद्रमोहन पटवारी को प्रोटेम स्पीकर के रूप में नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि, 21 और 22 मई को होने वाली विधानसभा में विधायकों को चंद्रमोहन पटवारी द्वारा शपथ ग्रहण कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, इस बार विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में रंजीत कुमार दास चुने गए हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए बताया है कि 22 मई के बाद असम मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। इसी बीच, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विषय पर चर्चा जारी है। उल्लेखनीय है कि, 13 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं 22 राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वहीं चार मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया था। असम की 126 विधानसभा सीटों में भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 102 सीटों पर विजय हासिल की है।

# नगांव में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 17 से

**नगांव ( निसं )।** शहर के धिंग रोड स्थित सेठ मेघराज अग्रवाल स्मृति भवन में ओमप्रकाश-सुमित्रा देवी चांदगोठिया के तत्वावधान में और शहर की नामचीन धार्मिक संस्थाओ में से एक श्री श्याम परिवार की वयवस्थापना में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन आगामी 17 मई से 23 मई तक किया जा रहा है। जिसकी तैयारिया आरंभ हो गई है। पुरुषोत्तम मास के पावन दिनों में आयोजित श्रीमदभागवत कथा को लेकर आयोजकों के परिवार में काफी उत्साह देखा जा रहा वही इसकी वयवस्थापना में लगे श्री श्याम परिवार के सदस्य भी तैयारी में जोर शोर से लगे है। काफी दिनो बाद शहर में हो रहे इस आयोजन के लिए शहर और आसपास के क्षेत्रो में भी कथा की चर्चा है। आसपास के क्षेत्रो से कथा में पहुंचने वाले भक्तो के लिए यातायात व्यवस्था भी की जा रही है। श्री श्याम परिवार के प्रमुख राहुल भजनका ने बताया कि श्री धाम वृंदावन से भागवत मर्मज्ञ परम गौभक्त संजीव कृष्ण ठाकुर जी श्रीमदभागवत कथा के व्यासपीठ पर विराजमान होकर कथा का श्रवण करवायेंगे। संगीतमय कथा प्रत्येक दिन अपराह्न तीन बजे से आरंभ होगी। कथा के प्रथम दिन 17 मई को कलश यात्रा एंव भागवत महात्म्य कथा, दूसरे दिन पाण्डव चरित्र एंव भगवान शुकदेव आगमन कथा, तृतीय दिन श्री वामन भगवान प्राकट्य उत्सव, चतुर्थ दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म एंव नंदोत्सव, पंचम दिवस श्री गिरिराज धरण लीला एंव छप्पन भोग दर्शन, षष्ठम दिवस श्रीकृष्ण-रुक्मिणी मंगल विवाहोत्सव, सप्तम दिवस श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन एंव कथा मंगल विश्राम तथा 23 मई को समापन व महाप्रसाद वितरण ।उक्त सात दिवसीय आयोजन में उपस्थित होकर कथा का श्रवण करने हेतु आयोजक ओमप्रकाश चांदगोठिया ने भगवत प्रेमियो से अनुरोध किया है ।

# मेघालय के मुख्यमंत्री, मिजोरम विधानसभा और नागा फोर्थ ने मठों में तीन चर्च नेताओं की हत्या की निंदा की

**शिलांग/एजल/इंफाल।** कांगपोकपी जिले में एक घाट पर हुए हमले में तीन बैपटिस्ट चर्च नेताओं की हत्या के बाद रविवार को विभिन्न विचारधाराओं से निंदा की गई। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा, मिजोरम की मुख्य रासायनिक पार्टी, मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) और नागा विधान मंडल फोरम (एनएलएफ) ने त्वरित न्याय की मांग के लिए हमलों की कड़ी निंदा की। 13 मई को कोटलेन के पास एक हमले में चर्च के नेताओं की हत्या कर दी गई थी। मृतकों की पहचान मैनचेस्टर बैपटिस्ट कन्वेंशन (बीसी) के पूर्व ज्वालामुखी रेव। वुमथांग सितलहो, पादरी पाओगौ और पादरी काइगुलियन के रूप में हैं। इस घटना में तीन अन्य लोग भी घायल हो गए। इन हत्याओं पर दु:ख व्यक्त करते हुए, संगमा ने हमलों को *हिंसा का एक संवेदनहीन कृत्य* बताया और अधिकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, मणिपुर के कांगपोकपी जिले में टीबीए चर्च के नेताओं पर हुए हमलों से मैं बहुत दुखी और व्यथित हूं। शांति, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले नेताओं के खिलाफ इस तरह की अकारण

हिंसा और नैतिकता की आलोचना है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। मैं समाजवादियों के पदाधिकारियों से आग्रह करता हूं कि वे इसके खिलाफ सकारात्मक और सख्त कार्रवाई करें। एमएनएफ ने भी इन हत्याओं में गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। एक बयान में पार्टी ने कहा कि वह इस घटना से बेहद आहत हैं और उन्हें आदर्श की तरह पहचानना और कानून के अनुसार उन्हें पढ़ाना की मांग है। व्यापारिक दल ने कहा कि यह हमला ऐसे समय में विशेष रूप से गुटबाजी के रूप में हुआ है जब औपनिवेशिक काल तक चले जातीय तनाव और हिंसा के बाद सुधार के संकेत दिखाई देने लगे थे। इसी बीच, नागालैंड के नागा विधान मंडल फोरम ने थाडौ धार्मिक नेताओं के खिलाफ उग्रवादियों की हत्या और हिंसा की कड़ी निंदा की। एनएलएफ ने एक बयान में कहा कि निहत्थे और शांतिप्रिय धार्मिक नेताओं की निर्मम हत्या का यह कृत्य ठीक है और हम कानूनी निर्देशन से आग्रह करते हैं कि वे अपराधी का जल्द से जल्द पता लगाएं और उसे गिरफ्तार करें। फोरम ने रेवरेंड वुमथांग सितलहोउ, पास्टर पाओगौ और पास्टर काइगुलियन के परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की, साथ ही तीन घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मंच ने कहा कि हम गठबंधन के लोगों से राज्य में शांति और एकजुटता के लिए सामूहिक काम करने का आग्रह करते हैं। एनएलएफ ने नागा और कुकी कॉलोनी के नागरिकों की जबरन और सुरक्षित रिहाई की भी अपील की, जिसमें कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से शामिल किया गया था। इसमें आगे कहा गया है, हम नागा और कुकी समूह के सभी नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की भी अपील करते हैं, जिसमें शामिल हैं और उन्हें जल्द से जल्द बिना किसी नुकसान के रिहा किया जाएगा। इन हत्याओं में राजनेताओं द्वारा सुरक्षा और सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दिया गया है, जबकि पूरे क्षेत्र के राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक नेताओं द्वारा शांति और संयम की अपील जारी की गई है।

# रंगिया : राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर ट्रक ड्राइवर ने व्यापारी से लूटे 16 लाख रुपए

**रंगिया ( विभास )।** कामरूप जिले में नेशनल हाईवे-27 पर एक बड़ी लूट की घटना सामने आई है। कमलपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दलमा इलाके में अपराधियों ने रंगिया के व्यापारी मालचंद शर्मा से करीब 16 लाख रुपए लूट लिए। 11 मई को शाम करीब 4 बजे मालचंद अपने ट्रक से अनाज का माल लाने गुवाहाटी के लिए निकले थे। रास्ते में कमलपुर दलमा गेट के पास ट्रक ड्राइवर मेला और उसके साथी साइदुल ने गाड़ी खराब होने का बहाना बनाकर वाहन रोका। उन्होंने पिस्तौल तानकर व्यापारी को बंधक बना लिया, जान से मारने की धमकी दी और रुपए से भरे थैले को लूटकर फरार हो गए। बताया गया है कि ये 16 लाख रुपए मालचंद के दस साथी व्यापारियों ने गुवाहाटी से सामान खरीदने के लिए दिए थे। व्यापारी ने कमलपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। कमलपुर पुलिस और प्रशासन की टीम ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया। 12 मई को रात करीब 10 बजे दोनों आरोपीयों को कुछ रुपए सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने इस सफल कार्रवाई को स्थानीय व्यापारियों के लिए बड़ी राहत बताया है। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है।

## मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने भारत रत्न गोपीनाथ बोरदलै को श्रद्धांजलि अर्पित की

**गुवाहाटी ( हिंस )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को गुवाहाटी के सिलपुखुरी स्थित स्मारक पर भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने गोपीनाथ बोरदोलोई को प्रेरणास्रोत बताते हुए असम और पूर्वोत्तर के हितों एवं अस्मिता की रक्षा में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई का दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक असम के निर्माण और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ज्ञात हो कि गोपीनाथ बोरदोलोई असम के पहले मुख्यमंत्री थे। ऐसे में डॉ. शर्मा ने अपनी सरकार के कार्य की शुरुआत बोरदोलोई को पुष्पांजलि अर्पित कर की। मुख्यमंत्री के साथ चारों मंत्री रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, अजंता नेओग और चरण बोड़ो के साथ ही गुवाहाटी के अन्य चारों विधायक भी मौजूद थे।

# बिश्वनाथ में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

**विश्वनाथ ( विभास )।** बिश्वनाथ जिले के स्वास्थ्य विभाग के तहत, प्रतापगढ़ टी एस्टेट मॉडल स्कूल में आज ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन (एचपीवी) पर एक टीकाकरण अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दुलुमणि सैकिया इस कार्यक्रम में मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित थीं। स्कूल की 14 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं को संबोधित करते हुए, डॉ. सैकिया ने सर्वाइकल कैंसर की भयावहता के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि यह वैक्सीन उन एचपीवी स्ट्रेन्स (किस्मों) को रोकती है जो सर्वाइकल कैंसर का कारण बनते हैं। उन्होंने एक निश्चित आयु वर्ग की छात्राओं द्वारा इस वैक्सीन को लगवाने के कारणों और इसके महत्व को भी स्पष्ट किया। उन्होंने वैक्सीन को लेकर व्याप्त भयों को दूर किया और छात्राओं से आह्वान किया कि वे इस नि:शुल्क अवसर का लाभ उठाने के लिए आगे आएं। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रतापगढ़ टी एस्टेट मॉडल स्कूल के प्रधानाचार्य हिरण्य बोरठाकुर ने कहा कि छात्राओं को एक अच्छा अवसर मिला है और उन्हें इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में शिक्षक संतोष कुमार महतो, संगीता बोरा और स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने भाग लिया। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि शिक्षा विभाग ने भी स्कूलों को एचपीवी टीकाकरण अभियान कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन में सहयोग करने का निर्देश दिया है, विशेष रूप से पात्र लाभार्थियों और उनके माता-पिता के बीच जागरूकता पैदा करने और सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने के संबंध में। इस संदर्भ में, यह बताया गया है कि इस अभियान के तहत, निर्धारित सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 वर्ष आयु वर्ग की लड़कियों (यानी, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, लेकिन अभी अपना 15वां जन्मदिन नहीं मनाया है) को नि:शुल्क एचपीवी वैक्सीन प्रदान की जा रही है।

# अपोलो हॉस्पिटल्स गुवाहाटी ने लिवर रोग और ट्रांसप्लांट क्लिनिक शुरू किया

**गुवाहाटी।** अपोलो हॉस्पिटल्स गुवाहाटी ने गुवाहाटी में आयोजित एक प्रेस मीट के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना लिवर रोग और ट्रांसप्लांट क्लिनिक शुरू किया। यह पहल पूर्वोत्तर भारत में लिवर की उन्नत देखभाल सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और उन्नत चिकित्सा विशेषज्ञता और तकनीक द्वारा समर्थित विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के अस्पताल के संकल्प की पुष्टि करती है। इस विशेष क्लिनिक की शुरुआत के साथ, अपोलो हॉस्पिटल्स गुवाहाटी हर महीने इस क्लिनिक का आयोजन करेगा ताकि एक ही छत के नीचे लिवर की व्यापक और संपूर्ण देखभाल प्रदान की जा सके। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लिवर से संबंधित विभिन्न प्रकार की बीमारियों का शुरुआती चरण में ही पता लगाना, उनका मूल्यांकन करना, उनका प्रबंधन करना और उनका

उपचार करना होगा। इससे अपोलो हॉस्पिटल्स गुवाहाटी के लिए अपना पहला लिवर ट्रांसप्लांट करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह ट्रांसप्लांट इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के जाने-माने लिवर ट्रांसप्लांट और हेपेटोबिलियरी सर्जन डॉ. नीरव गोयल के मार्गदर्शन में किया जाएगा, जिन्हें लिवर ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का विशेष अनुभव प्राप्त है। 2,200 से अधिक लिवर ट्रांसप्लांट प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी कर चुके डॉ. गोयल (जिनमें वयस्कों और बच्चों के जटिल मामले भी शामिल हैं) भारत के अग्रणी *हाई-वॉल्यूम ट्रांसप्लांट* कार्यक्रमों में से एक का हिस्सा हैं। यह पहल पूर्वोत्तर भारत में उन्नत मल्टी-स्पेशियलिटी और क्रिटिकल केयर सेवाओं के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में अपोलो हॉस्पिटल्स गुवाहाटी की स्थिति को और अधिक मजबूत बनाती है। इस प्रेस मीट में वरिष्ठ विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. कमल छेत्री, जीआई और लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. दिव्यज्योति बोरा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हीरक ज्योति दास, लिवर ट्रांसप्लांट और एचपीबी सर्जन डॉ. नीरव गोयल, तथा अपोलो हॉस्पिटल्स गुवाहाटी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। उन्होंने लिवर रोगों के बढ़ते बोझ और इस पूरे क्षेत्र में मरीजों के स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए समय पर निदान, उन्नत उपचार और लिवर ट्रांसप्लांट के महत्व पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। इस सत्र के दौरान, विशेषज्ञों ने सामूहिक रूप से असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में लिवर रोगों के बढ़ते बोझ को रेखांकित किया और समय पर निदान, विशेष उपचार तथा उन्नत ट्रांसप्लांट देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया। वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. कमल छेत्री ने *फैटी लिवर* रोग और लिवर से संबंधित अन्य पुरानी बीमारियों के बढ़ते प्रसार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मधुमेह, मोटापा, शराब के सेवन और चयापचय संबंधी विकारों के बढ़ते मामलों के कारण ये बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं।

शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 277 | गुवाहाटी | गुरुवार, 14 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526



नीट-2026 पेपर लीक पर मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मांगी माफी — पेज 5
भारत और रूस मिलकर निकालेंगे ये खजाना, जल्द होने वाली है बड़ी डील — पेज 6
रिंकू सिंह की मां और बहन से मिले विराट कोहली... — पेज 7
शहर की पहचान थी जरी — पेज 8

# हिमंत मंत्रिमंडल ने यूसीसी विधेयक के मसौदे को दी मंजूरी

## 26 को विधानसभा में पेश होगा बिल

**गुवाहाटी (एजे/हि.स.)।** असम सरकार ने समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इसके मसौदा विधेयक को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की कि यूसीसी बिल को 26 मई को राज्य विधानसभा के सत्र के अंतिम दिन पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य कैबिनेट ने यूसीसी के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी है। यह कानून मुख्य रूप से विवाह, तलाक, लिव-इन रिलेशनशिप और विवाह के अनिवार्य पंजीकरण से जुड़ा होगा। हिमंत विश्व शर्मा ने स्पष्ट किया कि असम में लागू होने वाला यूसीसी गुजरात, उत्तराखंड और गोवा के मॉडल के अनुरूप होगा, लेकिन राज्य की जनजातीय आबादी और उनकी परंपराओं को पूरी तरह से छूट दी जाएगी। खबरों के मुताबिक, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में अलग-अलग समुदाय और उनकी अलग-अलग परंपराएं हैं। इसलिए हमने जनजातीय आबादी, उनके रीति-रिवाज, परंपराएं और सांस्कृतिक प्रथाओं को पूरी तरह से छूट दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित यूसीसी कानून का उद्देश्य नागरिक मामलों में एक समान व्यवस्था बनाना है, न कि किसी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान को प्रभावित करना। सरकार के अनुसार, प्रस्तावित यूसीसी कानून में मुख्य रूप से चार विषयों को- विवाह का अनिवार्य पंजीकरण, तलाक की प्रक्रिया, लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण, पारिवारिक और वैवाहिक अधिकारों से जुड़े प्रावधान शामिल किया जाएगा। हालांकि अभी तक बिल का पूरा मसौदा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन सरकार का कहना है कि यह कानून संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप होगा। समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी एक ऐसा प्रस्ताव है, जिसके तहत सभी नागरिकों के लिए धर्म आधारित व्यक्तिगत कानूनों की जगह एक समान नागरिक कानून लागू किया जाता है। वर्तमान में भारत में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे मामलों में अलग-अलग धर्मों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू हैं। यूसीसी का उद्देश्य इन सभी के लिए एक समान कानूनी ढांचा तैयार करना है। यूसीसी लंबे समय से भारतीय राजनीति में बहस का विषय रहा है। भाजपा इसे अपने प्रमुख वैचारिक और चुनावी एजेंडे का -शेष पृष्ठ छह पर

## राज्य में आज से छह महीने के लिए मितव्ययिता के उपाय लागू किए जाएंगे : सीएम

**गुवाहाटी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में आर्थिक संयम और ईंधन की सचेत खपत के आह्वान के अनुरूप, असम सरकार ने बुधवार को लागत में कटौती के व्यापक उपायों की घोषणा की। नव निर्वाचित राज्य सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नए उपायों के तहत, सरकार अगले छह महीनों तक कोई भी नया वाहन नहीं खरीदेगी, जिसमें नव नियुक्त मंत्री भी शामिल हैं, जिन्हें मौजूदा वाहनों का उपयोग जारी रखने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नव निर्वाचित मंत्रियों को छह महीने तक कोई नया वाहन नहीं मिलेगा। मौजूदा वाहनों का ही इस्तेमाल जारी रहेगा। सरकार ने मंत्रियों, अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों द्वारा अगले छह महीनों के लिए सभी आधिकारिक और व्यक्तिगत विदेश यात्राओं पर अस्थायी -शेष पृष्ठ छह पर

## अरुणाचल में गैंडे के सींग समेत चार गिरफ्तार

**इटानगर (हि.स.)।** अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले के होलोंगी क्षेत्र में वन विभाग और बालिजान पुलिस की संयुक्त अभियान चलाया। बालिजान पुलिस और होलोंगी वन अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई में संदिग्ध गैंडे के सींग की तस्करी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से एक संदिग्ध गैंडे का सींग भी बरामद किया है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.20 करोड़ बताई जा -शेष पृष्ठ छह पर

## डिब्रूगढ़ : जिला प्रशासन ने कट्टरपंथी प्रचार सामग्री रखने के खिलाफ सख्त आदेश जारी किए

**गुवाहाटी।** असम के डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े उग्रवादी या जिहादी सामग्री के प्रकाशन, वितरण, कब्जे और भंडारण पर सख्त रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। डिब्रूगढ़ जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, यह प्रतिबंध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 98 के तहत, 3 दिसंबर, 2025 की सरकारी अधिसूचना के संदर्भ में लगाया गया है। इस आदेश के तहत प्रतिबंधित चरमपंथी संगठनों से जुड़े कट्टरपंथी साहित्य, दस्तावेज, पर्चे, पोस्टर, ऑडियो-विजुअल सामग्री और डिजिटल सामग्री की छपाई, प्रकाशन, प्रसार, वितरण, बिक्री, प्रदर्शन, कब्जा और भंडारण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस निर्देश में विशेष रूप से जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी), अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) और अंसार-अल-इस्लाम जैसे आतंकी संगठनों के साथ-साथ अन्य संबद्ध या समान प्रतिबंधित संगठनों का नाम लिया गया है। प्रशासन ने इस प्रतिबंध को ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों -शेष पृष्ठ छह पर

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

## पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश सीमाबंदी की पहल से पूर्वोत्तर को बड़ी राहत मिली : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी।** मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल के उस कथित फैसले का स्वागत किया, जिसमें भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि सौंपने की बात कही गई है। उन्होंने इसे असम और पूर्वोत्तर की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अपने दूसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद गुवाहाटी में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि घुसपैठ से निपटने और क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी निगरानी और प्रभावी सील लगाना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के बीच बाड़बंदी में भारी अंतर होने के कारण घुसपैठ के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमेशा एक समस्या रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम में संगठनों द्वारा राज्य में सीमा को पूरी तरह से सील करने की बार-बार की गई मांगें तब तक अप्रभावी रहेंगी जब तक कि पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह के उपाय लागू नहीं किए जाते, जो भारत-बांग्लादेश सीमा के सबसे लंबे हिस्से को साझा करता है। कल पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने एक बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लिया कि 45 दिनों के भीतर बीएसएफ को भूमि सौंपी जाएगी ताकि सीमा को पूरी तरह से सुरक्षित किया जा सके और 800 किलोमीटर के क्षेत्र में बाड़ लगाई जा सके। बंगाल के बिना, पूर्वोत्तर राज्य घुसपैठ से हमेशा असुरक्षित रहेंगे, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि भारत के -शेष पृष्ठ छह पर

## खेड़ा के खिलाफ एक्शन शुरू, गुवाहाटी में क्राइम ब्रांच के सामने पेश

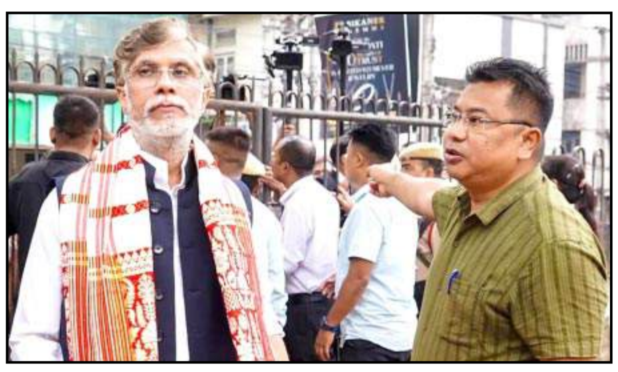

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। कल उन्होंने लगातार दूसरी बार असम के सीएम के रूप में शपथ ली और आज यानी बुधवार को खेड़ा के खिलाफ एक्शन शुरू कर दिया। पवन खेड़ा बुधवार को असम पुलिस की क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए। उनसे सीएम हिमंत की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराए गए केस के सिलसिले में पूछताछ की गई। पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं, जिसके बाद यह कानूनी कार्रवाई शुरू हुई। गुवाहाटी हाई कोर्ट ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। -शेष पृष्ठ छह पर

## जल्द दाखिल होगी चार्जशीट सहयोग पर निर्भर करेगी जांच की गति : डॉ. शर्मा

**गुवाहाटी।** कांग्रेस नेता पवन खेड़ा से जुड़े मामले में असम पुलिस जल्द चार्जशीट दाखिल कर सकती है। यह जानकारी मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि जांच की प्रक्रिया तय समय सीमा के भीतर पूरी करने की कोशिश की जा रही है, बशर्ते आरोपी पूरा सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार बुधवार को पवन खेड़ा गुवाहाटी क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए और जांच में सहयोग -शेष पृष्ठ छह पर

### सुप्रभात

*जीवन न तो भविष्य में है, और ना ही भूतकाल में है, जीवन तो सिर्फ वर्तमान में ही है।*

-अज्ञात

### न्यूज गैलरी

## एडीआर रिपोर्ट सीएम हिमंत के सभी पांच मंत्री करोड़पति

**गुवाहाटी।** असम की नई कैबिनेट को लेकर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें मंत्रियों की संपत्ति और पृष्ठभूमि से जुड़े अहम खुलासे किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, असम के सभी पांच मंत्री करोड़पति हैं और एक मंत्री ने अपने खिलाफ आपराधिक मामला घोषित किया है। एडीआर रिपोर्ट के अनुसार असम कैबिनेट के सभी -शेष पृष्ठ छह पर

## पुणे में बस से परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे गड़करी

**नई दिल्ली (हि.स.)।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी 14-15 मई को संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान बस यात्रा करेंगे। इस यात्रा में अधिकारी, पत्रकार और सुरक्षा कर्मी भी बस से उनके साथ सफर करेंगे। गड़करी ने आधिकारिक पत्र में कहा -शेष पृष्ठ छह पर

## नागा और कुकी समुदायों के बीच सुलह की कोशिश में तीन पादरियों की मौत, चार घायल

**इंफाल।** मणिपुर के कांगपोकपी जिले में आज बुधवार सुबह हथियारबंद हमले में तीन पादरियों की मौत हो गई। इस हमले में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। समुदाय के सूत्रों के अनुसार, पीड़ित वरिष्ठ पादरियों के एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, जो एक अंतर-संगठन धार्मिक बैठक में शामिल होने के लिए चुराचांदपुर से कांगपोकपी जा रहे थे। संगठन ने कहा कि ये पादरी कुकी और तांगखुल नागा समुदायों के बीच सुलह की पहलों में लगे हुए थे, जिसमें हाल ही में नागालैंड में हुई बातचीत भी शामिल थी। -शेष पृष्ठ छह पर

## अब पीएम मोदी के काफिले में चलेंगी केवल दो गाड़ियां

### *ईंधन बचाने की अपील के बाद लिया फैसला*

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया है। एसपीजी प्रोटोकॉल के अनुसार, सुरक्षा के आवश्यक घटकों को बरकरार रखते हुए वाहनों की संख्या में यह कटौती की गई है। पीएम मोदी ने देश से ईंधन की खपत कम करने को कहा था। जिसके बाद उन्होंने खुद अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या -शेष पृष्ठ छह पर

## विस चुनाव 2021 के हिंसा मामलों की फिर होगी जांच

### *शुभेंदु ने दिए केस दोबारा खोलने के निर्देश*

**कोलकाता (हि.स.)।** मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने 2021 विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों की दोबारा समीक्षा और जांच कराने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों को आदेश जारी किया है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अवैध पशु तस्करी के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी आदेश में कहा गया है कि चुनाव बाद हिंसा से -शेष पृष्ठ छह पर

## केंद्र सरकार ने 37,500 करोड़ की सतही कोयला गैसीकरण योजना को दी मंजूरी

**नई दिल्ली (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने सतही कोयला (लिग्नाइट) गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत वाली योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत देश में सतही कोयला (लिग्नाइट) को गैस में बदलने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन सतही कोयले का गैसीकरण करके ऊर्जा उत्पन्न करने का है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसे बहुत बड़ा फैसला बताते हुए कहा कि भारत के पास लगभग 200 साल का कोयला भंडार है और अब इसका उपयोग गैस बनाने में किया जाएगा। इस योजना से लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होने की संभावना है। गैसीकरण से देश की ऊर्जा निर्भरता कम होगी और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी), यूरिया, अमोनिया और मीथेनॉल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम होगी। उल्लेखनीय है कि भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े कोयला भंडारों में से एक है, जिसमें लगभग 401 अरब टन कोयला और 47 अरब टन लिग्नाइट -शेष पृष्ठ छह पर

## केरल में मुख्यमंत्री चेहरे पर कांग्रेस का मंथन पूरा, गुरुवार को होगा एलान : जयराम रमेश

**नई दिल्ली (हि.स.)।** केरल में नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कांग्रेस ने मंथन लगभग पूरा कर लिया है। पार्टी के महासचिव जयराम रामेश ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर अंतिम निर्णय गुरुवार को घोषित किया जाएगा। जयराम रमेश ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केरल कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के सदस्यों की मंजूरी के बाद पार्टी हाईकमान ने सभी जरूरी विचार-विमर्श पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे की आधिकारिक घोषणा गुरुवार को सार्वजनिक रूप से की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री चयन को लेकर पार्टी के भीतर व्यापक स्तर पर चर्चा हुई है। सभी वरिष्ठ नेताओं से राय लेने के बाद अब मामला अंतिम चरण में पहुंच चुका है। पार्टी नेतृत्व ने एक नाम पर सहमति बना ली है, जिसकी औपचारिक घोषणा गुरुवार को की जाएगी। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में तीन प्रमुख नेताओं के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं। इनमें रमेश चेन्निथाला, वीडी सतीशन और केसी वेणुगोपाल शामिल हैं। राहुल गांधी ने इन नामों पर राय जानने के लिए वीएम सुधीरन, एमएम हसन और के सुधाकरण समेत कई पूर्व प्रदेश अध्यक्षों से अलग-अलग बातचीत की। मुल्लापल्ली रामचंद्रन से भी फोन पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री चयन को लेकर दिल्ली में लगातार बैठकों का दौर जारी है। मंगलवार को राहुल गांधी ने दिल्ली में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के पूर्व अध्यक्षों से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक स्थिति और जनता के मूड पर चर्चा की।

संपादकीय

# आर्थिक आपातकाल के आसार

क्या भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है? क्या आर्थिक आपातकाल के आसार हैं और भारत सरकार कुछ कड़े और बड़े फैसले ले सकती है? क्या कुछ पाबंदियां भी चस्पां की जा सकती हैं? क्या प्रधानमंत्री मोदी की अपील देश के आम आदमी के लिए ही है? नेताओं की जमात के लिए 'बचत' अपरिहार्य क्यों नहीं है? हमने प्रधानमंत्री की अपील और हिदायतों का विश्लेषण किया था। उसका दूसरा पक्ष यह है कि देश की आर्थिक सेहत का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं-रिजर्व बैंक, मूडीज, एसएंडपी, विश्व बैंक, फिच और एशियन डवलपमेंट बैंक-ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर घटा दी है। जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था में संकुचन आया है। वैसे भी भारत अब विश्व की चौथी नहीं, छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसमें और भी गिरावट के आसार हैं। यह मूल्यांकन आसन्न आर्थिक संकट का पहला संकेत है। खुद प्रधानमंत्री ने माना है कि कोरोना महामारी वैश्विक संकट थी, तो ईरान युद्ध इस दशक का सबसे बड़ा संकट है। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक संकट और पेट्रो उत्पादों की कमी के कारण देश से अपील नहीं की है। वह न ही किसी तरह के 'दान' के पक्ष में हैं, जैसा कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान किया गया था। प्रधानमंत्री आयात कम करने के पक्षधर हैं, ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। ईरान युद्ध की शुरुआत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 720 अरब डॉलर का था, लेकिन युद्ध के करीब 75 दिन के बाद यह भंडार घट कर 690 अरब डॉलर हो गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने उन खर्चों को कम करने की अपील की है, जिनमें डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। करीब 80 फीसदी कच्चे तेल और 70 फीसदी से अधिक सोने के आयात डॉलर में ही किए जाते हैं। डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' 95.28 तक की ऐतिहासिक गिरावट ने संकट को गहरा दिया है। इस समय 'रुपया' दुनिया की दूसरी सबसे कमजोर मुद्रा है, जिसमें 12 फीसदी अवमूल्यन हुआ है। प्रधानमंत्री ने एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है, लेकिन भारत सरकार ने विदेशों से 168 टन सोना खरीदा है। अब भारत के पास सोने का कुल भंडार 880 टन का है। इसे 'राष्ट्रीय सुरक्षा' से जोड़ कर आंका जा रहा है। दरअसल हमारा बुनियादी सवाल सरकारी व्यवस्था और नेताओं की जमात से है। देश में प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आम अति विशिष्ट चेहरे भी लंबे-चौड़े काफिलों के साथ चलते हैं। यदि वाकई संकट के हालात हैं, तो मुख्यमंत्री और मंत्री सरकारी हेलीकॉप्टर पर सवार क्यों रहते हैं? क्या हवाई उड़ानें 'पानी' से चलती हैं? हमारे जन-प्रतिनिधि रेलगाड़ी के विशेष कक्ष में सफर क्यों नहीं कर सकते? यदि सार्वजनिक परिवहन नेताओं के लिए 'असुरक्षित' हैं, तो रेलवे में असंख्य यात्रियों की सुरक्षा दांव पर क्यों लगा रखी है? हम प्रधानमंत्री को अपवाद के तौर पर छोड़ देते हैं, क्योंकि वह देशहित में, देश के लिए ही, सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी के तौर पर 'विशेष वाहन' का इस्तेमाल करते हैं और अब मई में ही 5 देशों की यात्रा पर जाएंगे, लेकिन हम प्रधानमंत्री के 'रोड शो' पर सवाल और आपत्ति जरूर करेंगे। हमारा राजनीतिक नेतृत्व पहल करे, बचत के नए आयाम स्थापित करे, आम जन-प्रतिनिधि बने, तो यह देश भी उसका अनुसरण करेगा। दरअसल युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा-संकट दुनिया भर में है। कच्चा तेल महंगा मिलने के कारण भारत को हररोज 1619 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। आयात बिल में खाद्य तेल पर 1.86 लाख करोड़ और खाद पर 1.38 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बाजार में यूरिया, डीएपी की कीमतें दोगुनी बढ़ा दी गई हैं। इसके अलावा, सरकार को खाद पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी किसानों को देनी पड़ रही है। नतीजतन बुनियादी ढांचे और विकास पर किया जाने वाला पूंजीगत खर्च कम करना पड़ रहा है। चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। तमाम आयातों पर विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यह 'अकाल' हम 1990-92 के दौर में झेल चुके हैं, जब देश का 67 टन सोना गिरवी रखना पड़ा था।

> प्रधानमंत्री मोदी की अपील देश के आम आदमी के लिए ही है? नेताओं की जमात के लिए 'बचत' अपरिहार्य क्यों नहीं है? हमने प्रधानमंत्री की अपील और हिदायतों का विश्लेषण किया था। उसका दूसरा पक्ष यह है कि देश की आर्थिक सेहत का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं- रिजर्व बैंक, मूडीज, एसएंडपी, विश्व बैंक, फिच और एशियन डवलपमेंट बैंक- ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर घटा दी है। जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था में संकुचन आया है। वैसे भी भारत अब विश्व की चौथी नहीं, छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसमें और भी गिरावट के आसार हैं। यह मूल्यांकन आसन्न आर्थिक संकट का पहला संकेत है। खुद प्रधानमंत्री ने माना है कि कोरोना महामारी वैश्विक संकट थी, तो ईरान युद्ध इस दशक का सबसे बड़ा संकट है। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक संकट और पेट्रो उत्पादों की कमी के कारण देश से अपील नहीं की है। वह न ही किसी तरह के 'दान' के पक्ष में हैं, जैसा कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान किया गया था। प्रधानमंत्री आयात कम करने के पक्षधर हैं, ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके।

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस-15 मई, 2026

# वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

> संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच।

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है। आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं।

वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे "अहिंसा की प्रयोगशाला" बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है।

क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि "वसुधैव कुटुम्बकम्" की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है। आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

देश दुनीया से

# 'वसुधैव कुटुंबकम' से बिखरता परिवार

उम्र गुजर गई इंतजार में, अब तो आंखें भी थक गई...बेटा आया तो बस रुपया छोड़ा, दिल नहीं छुआ कभी।' 15 मई को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक परिवेश में परिवार संस्था की वास्तविक स्थिति पर गंभीर चिंतन का दिन है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1993 में घोषित यह दिवस सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के प्रभाव को समझने का अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2026 की थीम 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' यह स्पष्ट करती है कि परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि समाज की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक इकाई है, जहां व्यक्ति प्रेम, सुरक्षा, संस्कार और आत्मीयता का अनुभव करता है। भारतीय संस्कृति में परिवार सदैव जीवन का केंद्र रहा है। यहां परिवार केवल माता-पिता और बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, मामा-मौसी सहित बहुपीढ़ीय संयुक्त परिवार की परंपरा ने भारतीय समाज को मजबूती प्रदान की। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना इसी पारिवारिक दृष्टि का विस्तार थी, जिसमें संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया। 'मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः' जैसे आदर्श केवल धार्मिक वाक्य नहीं थे, बल्कि सामाजिक जीवन की आत्मा थे। परिवार बच्चों को संस्कार देता था, बुजुर्गों को सम्मान देता था और समाज को स्थिरता प्रदान करता था। एक समय था जब घर के आंगन में दादा-दादी की कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम बनती थीं। त्योहार केवल औपचारिक आयोजन नहीं होते थे, बल्कि परिवार को जोडने वाले सांस्कृतिक अवसर होते थे। भोजन एक साथ बैठकर किया जाता था और परिवार के छोटे-बड़े निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते थे। उस समय परिवार में 'मैं' नहीं, 'हम' की भावना प्रमुख थी। आज यही भावना धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। आधुनिकता, तीव्र शहरीकरण, भौतिकवाद और आभासी दुनिया के विस्तार ने परिवार की पारंपरिक संरचना को गहराई से प्रभावित किया है। गांव और शहर की पारिवारिक स्थिति में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सामाजिक जुड़ाव और सामूहिकता का भाव किसी हद तक विद्यमान है, जबकि महानगरों में जीवन की व्यस्तता और व्यक्तिवादी सोच ने परिवार को केवल आर्थिक व्यवस्था तक सीमित कर दिया है। लोग एक ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। आज परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है। भोजन की मेज पर बातचीत की जगह मोबाइल फोन ने ले ली है। पहले शाम का समय परिवार के साथ बिताया जाता था, अब वही समय अलग-अलग कमरों में स्क्रीन के सामने बीतता है। बच्चों का बचपन आभासी दुनिया में सिमट रहा है और बुजुर्ग अपने ही घरों में उपेक्षित महसूस करने लगे हैं। तकनीक ने सुविधा तो दी है, पर रिश्तों की आत्मीयता कम कर दी है। सबसे अधिक प्रभावित यदि कोई वर्ग हुआ है, तो वह बुजुर्गों का है। पहले बुजुर्ग परिवार की धुरी माने जाते थे। उनके अनुभव को सम्मान मिलता था और परिवार के निर्णयों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। आज अनेक बुजुर्ग अकेलेपन और भावनात्मक उपेक्षा का जीवन जीने को विवश हैं। कई बार बच्चे आर्थिक सहायता तो भेज देते हैं, लेकिन समय और अपनापन नहीं दे पाते। वृद्धावस्था में व्यक्ति को केवल दवा और धन की नहीं, बल्कि संवाद, सम्मान और साथ की आवश्यकता होती है। समाजशास्त्री एमिल दुर्खीम की 'सामूहिक चेतना' की अवधारणा आज अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होती है। जब समाज में सामूहिक बंधन कमजोर होते हैं, तब व्यक्ति अकेलेपन और असुरक्षा का शिकार हो जाता है। वर्तमान भारतीय समाज में यही स्थिति दिखाई देती है। परिवारों के भीतर भावनात्मक दूरी बढ़ रही है और व्यक्ति मानसिक तनाव, अवसाद तथा सामाजिक अलगाव का सामना कर रहा है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार अगस्त 2025 तक देश में लगभग 696 वरिष्ठ नागरिक गृह विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में संचालित हो रहे थे। इसके अतिरिक्त अनेक निजी, धार्मिक और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा भी बड़ी संख्या में वृद्धाश्रम चलाए जा रहे हैं। पिछले वर्षों में इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक ढांचे का संकेत है। जिस देश में कभी माता-पिता को ईश्वर के समान माना जाता था, वहां वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती है। भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों की संख्या लगभग 14 से 15 करोड़ तक पहुंच चुकी है और वर्ष 2050 तक इसके दोगुने से अधिक होने की संभावना है। यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन परिवार व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है। रोजगार, पलायन और बेहतर अवसरों की तलाश में युवा महानगरों या विदेशों की ओर जा रहे हैं। परिणामस्वरूप गांवों और छोटे शहरों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। आर्थिक सहायता तो पहुंच जाती है, लेकिन भावनात्मक सहारा धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। यह समस्या केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं है। उच्च शिक्षित और प्रतिष्ठित नौकरियों में कार्यरत संतानों द्वारा भी माता-पिता की उपेक्षा के अनेक उदाहरण सामने आए हैं।

कुछ अलग

# मेरी मिसेज को सफल बनाएं

हे मेरे मोहल्ले के जागरूक वोटरो! आपको यह जानकर हर्ष होगा कि मोहल्ला विकास समिति के चुनावी अखाड़े में इस बार मेरे बदले मेरी मिसेज को आपकी सेवा करने का हाईकमान से टिकट मिला है। इसलिए अबकी बार मेरे बदले वह वादों, आश्वासनों का पिटारा ले आपको रिझाने आ रही है। इसके लिए आपको बहुत बहुत बधाई! पार्टी हाईकमान के आदेशानुसार पिछले चुनाव में मैं आपकी सेवा में हाजिर हुआ था। आपकी सेवा करते करते आपसे अपनी सेवा करवाते करवाते कब पांच साल गुजर गए, पता ही न चला। अबके मोहल्ला विकास समिति के चुनाव में मोहल्ले की ये सीट महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित होने के चलते मैं लाख आपकी सेवा को छटपटाते हुए भी आपकी सेवा के लिए चुनाव नहीं लड़ सकता। इसके लिए मैं आपसे दोनों हाथ जोड़ क्षमाप्रार्थी हूं। असल में हमारे मोहल्ला विकास समिति के दूसरे सदस्य मेरे द्वारा आपके विकास के नाम पर अपने विकास को होते देख मुझसे जल रहे थे। इसलिए उन्होंने मोहल्ला विकास समिति की जब ये सीट महिला के लिए आरक्षित करवा दी। पर मैं भी चुप कहां बैठने वाला था? वह जनसेवक ही क्या जो जनसेवा के टिकट को लेकर चुप बैठे? एक सच्चा जनसेवक हर टिकट को लेकर चुप बैठ सकता है, पर चुनाव लडने के टिकट को लेकर कभी नहीं। ज्यों ही हाईकमान ने मेरी वाली सीट महिला को आरक्षित की तो मैंने बिन एक पल गंवाए अपनी मिसेज की दावेदारी इस सीट पर ठोंक दी। मैंने सोचा, मैं न सही तो न सही। मेरे पास इस सीट की सबकी मिसेजों में सबसे सशक्त उम्मीदवार मेरी मिसेज है।

आप का नजरीया

# एंटी चिट्टा टेस्ट

चिट्टे पर व्यवस्था के प्रहार और लेखा-जोखा पेश करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का यह फैसला काबिले तारीफ है कि आइंदा भर्ती परीक्षाओं में चयनित प्रत्याशियों के लिए एंटी चिट्टा टेस्ट भी अनिवार्य होगा। यानी अब खून बताएगा कि रगों में क्या है, वरना दौड़ रहे थे हम सिर्फ जमीन पर। इसमें दो राय नहीं कि प्रदेश की सभ्यता, संस्कृति, मान-सम्मान और सामाजिक परंपराएं धीरे-धीरे चिट्टे की कैद में हैं। हाल यह है कि लड़कियों के लिए भी अलग से नशा मुक्त केंद्र खोलने की जरूरत पड़ गई। जिस पुलिस के दम पर चिट्टे पर निगरानी रही, वहां पुलिस कर्मियों सहित कई सरकारी कर्मचारी ही इस आफत के शिखंडी निकले और हालत यह कि 31 कर्मचारी बर्खास्त हो चुके हैं। चिट्टे की दुकान खोले करीब 90 कर्मचारी अब इसी फेहरिस्त में जुड़ कर बर्खास्त हो जाएंगे। चिट्टा केवल एक कानूनी पहलू नहीं, बल्कि इसकी जद में रिश्ते-नाते और सामाजिक ताने-बाने भी नष्ट हो रहे हैं। विडंबना यह है कि हिमाचल चारों तरफ से हो रही चिट्टे की आपूर्ति का शिकार हो जाता है। एक सीमा तक इस व्याधि के निवारण के लिए पुलिस निगरानी के पहरे सहायक हो सकते हैं, लेकिन यहां सामाजिक निगाहों से इल्तिजा है कि अपने परिवेश में घटित हर मामले को देखे। हिमाचल में चिट्टा विक्रेताओं और इसके ग्राहकों के बीच एक लंबी श्रृंखला है, जो चौबीस घंटे नित नए प्रयास करती है। अभी कुछ दिन पहले एक जीजा ने अपने नाबालिग साले के कंधे पर चिट्टे की आपूर्ति टांग कर बता दिया था कि इस सौदे में कोई नहीं बचेगा। यही सौदा पुलिस से उसकी वफादारी, सरकारी कामकाज से उसकी ईमानदारी छीन रहा है, तो यहां केवल दुकान नहीं, ग्राहक का नाता भी तोडना पड़ेगा। सरकार अपनी छानबीन की चादर फैला कर समाज से अरदास कर रही है कि वह भी अपनी भागीदारी का दान करे। कमोबेश हर गांव से शहर तक और हर गली से शिक्षण संस्थान तक चिट्टे के सरगना घूम रहे हैं और इनके बचाव में स्वयं ग्राहक छतरी लेकर खड़े हैं। बहरहाल सरकार ने अपनी चौकसी तो बढ़ाई है, और साथ ही साथ नए पैमानों की आजमाइश छात्र जीवन तक पहुंचाई है। बेशक चिट्टे के साथ आधुनिक जीवन की विसंगतियां, भौतिक संसार का अवमूल्यन, युवा भविष्य की चिंताएं और आगे बढ़ने की बाधाएं भी जुड़ी हैं, तो कुछ सफर तो परीक्षाओं में गुजर जाएंगे, लेकिन जहां ठहराव आएगा, वहां पहल चाहिए। बदलने पड़ेंगे शिक्षा के मजमून, आर्थिक संरचना के उसूल और नए सौहार्द के रास्तों पर सह अस्तित्व को करना पड़ेगा कबूल। दरअसल भटके हुए समाज से हम भटके हुए युवाओं को नहीं बचा सकते, इसके लिए नया आगाज-नया वातावरण चाहिए। जीवन के कुछ पीरियड तो शिक्षण संस्थानों में कट जाएंगे, लेकिन घरेलू मजबूरियां और सामाजिक ताने-बाने को फिर से पढ़ना पड़ेगा। यह दीगर है कि व्यवस्था के तरीके से समाधान आसान हो जाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण पक्ष तो कानून-व्यवस्था से ही जुड़ता है। निगरानी तो उन वाहनों पर जरूरी है जो गेडियां मारते हुए डराते हैं। कोई पर्यटक के रूप में छाती में चिट्टा बांधे चला है, तो कोई मरीज बन कर ईलाज का मुलम्मा बांधे नशे के व्यापार का आदी हो चुका है। सिर्फ पुडिया चंद ग्राम की ताकि मालूम यह हो कि शुरुआत छोटी और नादान सी है, मगर ये जो ग्रामों में पुडिया पकड़ी जा रही है, मानवीय सभ्यता से बड़ा इंतकाम ले रही है। सरकार कोई बड़ी चारदीवारी तो नहीं बना सकती, लेकिन पुलिस बंदोबस्त की रोटेशन चाहिए। मोबाइल टुकडियों के जरिए एक बड़े एरिया की खाक छाननी पड़ेगी। कम से कम सारे बार्डर एरिया पर ऐसी निगरानी का प्रबंध होना चाहिए जो चिट्टे की सारी खुराफात छान दे। अब वक्त आ गया है कि शिमला में बैठे पुलिस के ओहदेदार हाकिमों को कार्यालय के साथ सीमांत इलाकों में भेजा जाए ताकि पांवटा साहिब से जसूर तक की पट्टी में कोई पंछी भी पर न मार सके।

> चिट्टा केवल एक कानूनी पहलू नहीं, बल्कि इसकी जद में रिश्ते-नाते और सामाजिक ताने-बाने भी नष्ट हो रहे हैं। विडंबना यह है कि हिमाचल चारों तरफ से हो रही चिट्टे की आपूर्ति का शिकार हो जाता है। एक सीमा तक इस व्याधि के निवारण के लिए पुलिस निगरानी के पहरे सहायक हो सकते हैं, लेकिन यहां सामाजिक निगाहों से इल्तिजा है कि अपने परिवेश में घटित हर मामले को देखे। हिमाचल में चिट्टा विक्रेताओं और इसके ग्राहकों के बीच एक लंबी श्रृंखला है, जो चौबीस घंटे नित नए प्रयास करती है। अभी कुछ दिन पहले एक जीजा ने अपने नाबालिग साले के कंधे पर चिट्टे की आपूर्ति टांग कर बता दिया था कि इस सौदे में कोई नहीं बचेगा। यही सौदा पुलिस से उसकी वफादारी, सरकारी कामकाज से उसकी ईमानदारी छीन रहा है, तो यहां केवल दुकान नहीं, ग्राहक का नाता भी तोडना पड़ेगा। सरकार अपनी छानबीन की चादर फैला कर समाज से अरदास कर रही है कि वह भी अपनी भागीदारी का दान करे। कमोबेश हर गांव से शहर तक और हर गली से शिक्षण संस्थान तक चिट्टे के सरगना घूम रहे हैं और इनके बचाव में स्वयं ग्राहक छतरी लेकर खड़े हैं। बहरहाल सरकार ने अपनी चौकसी तो बढ़ाई है, और साथ ही साथ नए पैमानों की आजमाइश छात्र जीवन तक पहुंचाई है।

दृष्टि कोण

# सैन्य सेवा का अलहदा ढांचा और प्रतिज्ञा की पूर्णता

सिविल कर्मचारी और सैनिक, गणतंत्र को स्थिरता देने में जुड़वां स्तंभ हैं। एक निरंतरता एवं प्रशासनिक दृढ़ता के माध्यम से काम करता है; तो दूसरा तीव्रता और अस्तित्वगत जोखिम के जरिए। दोनों ही अपरिहार्य हैं। दोनों ऐसे ढांचे के हकदार हैं जो परिलक्षित करता हो कि उन्हें वास्तव में क्या करने की आवश्यकता है। इनके बीच अंतर का जवाब पदानुक्रम में नहीं है। मसला गढ़ी गई एक रूपरेखा है। सेना के लिए कोई भी ढांचा एक मूलभूत वास्तविकता से शुरू होना चाहिए : सशस्त्र बलों के पद, नागरिक प्रणालियों के ओहदों से मूलतः भिन्न होते हैं। नागरिक जीवन में, पदानुक्रम काफी हद तक वरिष्ठता और प्रशासनिक तरक्की पाने का पैमाना होता है। जबकि सैन्य जगत में, यह जीवन एवं परिणाम पर परिचालन प्राधिकरण द्वारा तय होता है। एक प्रशासनिक त्रुटि से पैसे का नुकसान या देरी हो सकती है; लेकिन कमान में हुई त्रुटि से जानें और इलाका गंवाना पड़ सकता है। सक्रिय अभियानों में सैनिकों की कमान संभालने वाले एक ब्रिगेडियर के पास, एक कर्नल की तुलना में केवल अधिक वरिष्ठता ही नहीं होती बल्कि उसको परिणामों का एक बिल्कुल अलग और कहीं अधिक भारी बोझ भी उठाना पड़ सकता है। यह अंतर इसलिए मायने रखता है क्योंकि सैन्य पदानुक्रम संरचना को समझ-बूझकर पिरामिड की तरह शीर्ष पर संकरा होता बनाया गया है। युद्ध के मैदान में सबसे आगे रहने वालों के लिए युवावस्था की आवश्यकता होती है। इसलिए, संरचनात्मक रूप से फौज युवा बनी रहनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि बहुत कम संख्या में अफसर उच्चतर पदों तक पहुंच पाएं। यह कोई विफलता न होकर कमान संरचना का गणित है। लेकिन इस गणित के परिणाम बहुत गहरे होते हैं। अधिकांश अधिकारी, चाहे वे कितने भी सक्षम क्यों न हों, कुछ निश्चित ओहदों से ऊपर कभी नहीं जा पाते। इसलिए, यह संस्था केवल उन लोगों द्वारा ही नहीं चलती जो शीर्ष तक पहुंचते हैं, बल्कि उन लोगों द्वारा भी परिचालित होती है, जो उस जगह बने रहते हैं जहां पर प्रणाली को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है-मेजर और लेफ्टिनेंट कर्नल, कंपनी कमांडर और बटालियन के उप-कमान अधिकारी- वे अफसर हैं जो सेना का परिचालन भार ठीक उसी स्तर पर उठाते हैं जहां वे कमानगत पद परिणाम देने में सबसे मुफीद होते हैं। लेकिन जब इस समूह में आते अधिकारी अपने पद के भीतर कोई अर्थपूर्ण प्रगति होते नहीं देखते, रुतबे की एकमात्र दिखाई देने वाली पहचान (उच्चतर पद) पिरामिड की संरचना के मुताबिक जब उनमें से अधिकांश को नहीं मिल पाती, तब धीरे-धीरे कुछ कमजोर पड़ने लगता है। उनकी सक्षमता नहीं, न ही साहस। परंतु निश्चित तौर पर संस्था उन्हें अभी भी पहले जैसा ही देखती है। और फिर कई लोग सेना छोड़ देते हैं। विरोध में नहीं। बल्कि इसलिए, क्योंकि नागरिक जगत ने यह पहचानना सीख लिया है कि सैन्य सेवा ने उन लोगों के भीतर किन गुणों को पैदा किया है। दबाव वाली परिस्थिति में भी शांतचित्त रहना, निर्णय क्षमता व अनिश्चितता के बावजूद नेतृत्व का गुण होना और नागरिक जगत उन्हें एक ऐसा ढांचा मुहैया करता है जहां इन गुणों का यथोचित मोल पड़ता है। उस क्षण, राष्ट्र अपना सबसे कमजोर उत्पाद नहीं खोता, बल्कि बेहतरीन ढले (प्रशिक्षित) अपने लोगों में से कुछ को। यही कारण है कि 'पद श्रेणी के भीतर तरक्की' का मामला महज दिखावटी मुद्दा नहीं। यह विसंगति की जड़ संस्थागत रूपरेखा में है। जिम्मेदारी, पेशेवर विशिष्टता, नियुक्ति पात्रता और पद-श्रेणी के भीतर दिखाई देने वाला रुतबा तब भी बना रहना चाहिए, जब तरक्की संभव न हो।

# पेपर लीक प्रकरण में कांग्रेसियों ने केंद्रीय मंत्री का फूंका पुतला

**अजमेर ( हिंस )।** नीट परीक्षा प्रश्न पत्र लीक और परीक्षा रद्द होने पर अजमेर में बुधवार को कांग्रेसियों ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला फूंका और एनटीए के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष व किशनगढ़ के विधायक विकास चौधरी के नेतृत्व में किया गया इस दौरान पूर्व शिक्षामंत्री नसीम अख्तर इंसाफ, प्रदेश सचिव सुनील लारा, पूर्व विधायक राम नारायण गुर्जर व शिव प्रकाश गुर्जर सहित कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। विधायक विकास चौधरी ने मीडिया को वक्तव्य दिया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने देश के विद्यार्थियों के भविष्य को नीलाम कर दिया है। पेपर लीक मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा साथ ही एनटीए को भंग करने की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होने से देश के करीब 23 लाख विद्यार्थियों को जिस मानसिक तनाव से गुजरना पड़ा है इसकी भरपाई नहीं की जा सकती।

# नीट-2026 पेपर लीक पर मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मांगी माफी

**झुंझुनूं ( हिंस )।** नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने नीट-2026 परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने स्वीकार किया कि पेपर लीक की घटना ने मेहनती और ईमानदार छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है, जिसके लिए सरकार संवेदनशील है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। बलिदान दिवस समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में मंत्री खर्रा ने कहा कि पिछले वर्ष और इस वर्ष नीट परीक्षा का पेपर प्रेस या अन्य माध्यमों से चोरी होने के मामले सामने आए हैं। इस गंभीर प्रकरण की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई है। कई आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं और आने वाले समय में और भी दोषियों की गिरफ्तारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि छात्रों को हुई परेशानी को ध्यान में रखते हुए आगामी दो से तीन माह में नीट परीक्षा पुन: आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा अत्यंत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाएगी। दोबारा परीक्षा के लिए पहले से आवेदन कर चुके किसी भी छात्र से अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि मेहनती विद्यार्थियों को

जो मानसिक, शैक्षणिक और भावनात्मक नुकसान हुआ है, उसके लिए वे व्यक्तिगत रूप से, साथ ही भारत सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से माफी मांगते हैं। मंत्री खर्रा ने नगर निकायों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल *अरबन चैलेंज फंड* की जानकारी भी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नगर निकायों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हुई और वित्तीय कुप्रबंधन के कारण निकायों की आय के स्थायी स्रोत कमजोर पड़ गए। नई योजना के तहत विकास कार्यों के लिए धनराशि की व्यवस्था इस प्रकार होगी। 25 प्रतिशत राशि भारत सरकार देगी, 25 प्रतिशत राशि राज्य सरकार वहन करेगी, शेष 50 प्रतिशत राशि हुडको से ऋण के रूप में प्राप्त की जाएगी। मंत्री ने बताया कि इस योजना को लेकर भारत सरकार के साथ दो चरणों में उच्च स्तरीय बैठकें हो चुकी हैं और अगस्त तक इसे अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। खर्रा ने कहा कि वर्ष 2018 से 2023 के बीच नगर निकायों की संपत्तियों का अनुचित आवंटन किया गया तथा बजट क्षमता से कई गुना अधिक विकास कार्यों के टेंडर जारी किए गए, जिससे निकायों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई। राजनीतिक नियुक्तियों और पिछड़ा वर्ग आयोग से जुड़े प्रश्नों पर मंत्री ने कहा कि मामला राजस्थान हाईकोर्ट में विचाराधीन है। सरकार न्यायालय के फैसले का सम्मान करेगी और उसके अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। झुंझुनूं में आयोजित बलिदान दिवस समारोह में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अमर शहीद करणीराम रामदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए समाज के प्रति उनके बलिदान को स्मरण किया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र भांबू, भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार तथा उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# राजस्थान हाईकोर्ट : बिना एनओसी चल रहे पशुपालन कॉलेजों पर हाईकोर्ट सख्त

**जोधपुर ( हिंस )।** राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की बेंच ने बिना वैध अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के प्रवेश देने वाले निजी पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उनकी याचिकाएं खारिज कर दीं। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की एनओसी के बिना कोई भी संस्थान प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकता और ऐसे संस्थानों का संचालन पूरी तरह अवैध माना जाएगा। सुनवाई के दौरान राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटनरी एंड एनिमल साइंसेज बीकानेर की ओर से अधिवक्ता अजय कुमार व्यास और जतिन सांखला ने कोर्ट को बताया कि संबंधित संस्थानों को दी गई संबद्धता केवल अस्थायी थी और यह राज्य सरकार से एनओसी प्राप्त करने की शर्त पर आधारित थी। इसके बावजूद संस्थान निर्धारित समय में आवश्यक अनुमति हासिल नहीं कर सके। कोर्ट ने कहा कि संस्थानों को कई अवसर दिए गए थे। राज्य सरकार ने 13 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक आवेदन के लिए विशेष विंडो भी खोली थी, लेकिन संस्थानों ने आवेदन करने के बजाय न्यायालय की शरण लेना उचित समझा। इसे न्यायिक प्रक्रिया और समय की अनावश्यक बर्बादी मानते हुए अदालत ने सभी याचिकाकर्ता संस्थानों पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। यह राशि चार सप्ताह के भीतर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने यूनिवर्सिटी को आदेश दिया कि प्रभावित छात्रों को एक महीने के भीतर सरकारी अथवा मान्यता प्राप्त संस्थानों में स्थानांतरित किया जाए, ताकि उनका शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान सत्र में संस्थानों को कोई राहत नहीं मिलेगी। हालांकि वे शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए राज्य सरकार की नीति के अनुसार दोबारा एनओसी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

# पंजाब बोर्ड के 12वीं कक्षा के परिणाम में तीन छात्राओं ने रचा इतिहास, हासिल किए पूरे 500/500 अंक

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए तीन छात्राओं ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 500 में से 500 अंक प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के आज घोषित किए गए 12वीं कक्षा के परिणामों के अनुसार गुरुकुल अकादमी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उभा (मानसा) की छात्रा सुपनीत कौर ने साइंस स्ट्रीम में 500/500 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। बीसीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एचएम 150, जमालपुर कॉलोनी, फोकल प्वाइंट, लुधियाना की छात्रा सुहानी चौहान ने ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में 500/500 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि तेजा सिंह सुतंतर मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शिमलापुरी (लुधियाना) की छात्रा दिवांशी ने ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में 500/500 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया।

तीनों टॉपर छात्राएं खेल गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। कुल 2, 65, 417 विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा दी, जिनमें से 2, 42, 755 विद्यार्थी पास हुए। इस प्रकार कुल पास प्रतिशतता 91.46 प्रतिशत रही। कॉमर्स स्ट्रीम में सबसे अधिक 98.78 प्रतिशत पास परिणाम दर्ज किया गया, जिसमें 34, 496 विद्यार्थियों में से 34, 074 विद्यार्थी सफल हुए। साइंस स्ट्रीम में 98.47 प्रतिशत पास प्रतिशतता रही, जहां 56, 456 विद्यार्थियों में से 55, 593 विद्यार्थी पास हुए। ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में 1, 65, 457 विद्यार्थियों में से 1, 45, 179 विद्यार्थी सफल हुए, जिससे 87.74 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया। इसके अलावा, वोकेशनल स्ट्रीम में 87.80 प्रतिशत पास प्रतिशतता रही, जिसमें 9, 008 विद्यार्थियों में से 7, 909 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि ये परिणाम हमारे विद्यार्थियों की अथक मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक शिक्षा सुधारों को दर्शाते हैं। तीनों टॉपर छात्राओं की शानदार उपलब्धि की सराहना करते हुए बैंस ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्ट्रीमों में विद्यार्थियों द्वारा पूर्ण अंक प्राप्त करना अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने बेहतर परिणामों का श्रेय डिजिटल कक्षाओं, शिक्षक प्रशिक्षण और समय पर पाठ्यक्रम पूरा करने को लेकर राज्य सरकार की प्राथमिकता को दिया।

## पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत की प्रतिमा अनावरण आज रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आएंगे

**जोधपुर ( हिंस )।** पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैंरोसिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण गुरुवार को रातानाडा सर्किल पर किया जाएगा। प्रतिमा का लोकार्पण रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार शाम को जोधपुर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार मुख्यमंत्री शर्मा सांय 4.25 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा सांय 4.30 बजे जोधपुर एयरपोर्ट से हैलीपेड, पंसेरी जसवंतपुरा, जिला जालोर के लिए प्रस्थान करेंगे। वे 14 मई को दोपहर 2.30 बजे डांगावास (मेड़ता) से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे दोपहर 2.45 बजे रातानाडा चौराहा पहुंचकर दोपहर 2.50 बजे से 3.50 बजे तक आयोजित पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत की मूर्ति अनावरण समारोह में भाग लेंगे। कार्यक्रम उपरांत मुख्यमंत्री अपरान्ह 3.55 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा 4.10 बजे जोधपुर एयरपोर्ट से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

# निकाय चुनाव में जनता ने सरकार की नीतियों पर लगाई मुहर : नायब सैनी

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निकाय चुनाव में जीत दर्ज करने पर सभी विजयी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आम जनता ने निकाय चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर जीत की मुहर लगाई है। मुख्यमंत्री बुधवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद है, उनके नेतृत्व में नॉन स्टॉप भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बन रही हैं। प्रधानमंत्री की नीतियों पर लगातार आम जनता का विश्वास बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार झूठ का सहारा लेकर लोगों के बीच में जाती है। लोग कांग्रेस के चेहरे को जान गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। उनके नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, असम में भारी बहुमत से भाजपा ने जीत दर्ज की। इसी तरह हरियाणा में हुए निकाय चुनाव में एकतरफा जीत दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता ने चुनावों में कांग्रेस के चेहरे से नकाब उतारा है। कांग्रेस झूठ बोलने का काम करती है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर विश्वास जताया है।

## पंजाब से दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे व्यापारी व कारोबारी : अरविंद खन्ना

**संगरूर ( हिंस )।** शिरोमणि अकाली दल के हलका इंचार्ज एवं पूर्व विधायक अरविंद खन्ना ने कहा है कि पंजाब सरकार की गलत नीतियों के कारण आज पंजाब के व्यापारी तथा कारोबारी हरियाणा व अन्य पड़ोसी राज्यों में पलायन कर रहे हैं। पंजाब सरकार इन कारोबारियों को रोकने की बजाए अपनी पार्टी की राजनीति में उलझी हुई है। अरविंद खन्ना ने शिरोमणि अकाली दल के चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के तहत अग्रवाल सभा संगरूर में आढ़ती एसोसिएशन व अन्य संगठनों के साथ मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पंजाब में इस समय छोटे व मंझले उद्योगपति व कारोबारी संकट का सामना कर रहे हैं। सरकारी दफ्तरों में कोई काम बिना पैसे दिए नहीं हो रहा है। खन्ना ने कहा कि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल की सरकार के समय में सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया था। वर्तमान सरकार में केवल कारोबारियों से वसूली के लिए सिंगल विंडो चल रही है।

## जल जीवन मिशन घोटाला रिमांड में चल रहे संजय बड़ाया को कोर्ट ने भेजा जेल

**जयपुर ( हिंस )।** जल जीवन मिशन घोटाले की जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बुधवार को पूर्व पीएचईडी मंत्री डॉ. महेश जोशी के करीबी माने जाने वाले संजय बड़ाया को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। संजय बड़ाया पर पीएचईडी अधिकारियों और ठेकेदारों से मिलीभगत कर टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी करवाने तथा ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर रिश्वतखोरी में शामिल होने के गंभीर आरोप है। एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि संजय बड़ाया को 11 मई को दिल्ली एयरपोर्ट से हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उसे जयपुर लाकर गिरफ्तार किया गया। अदालत ने उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा था। रिमांड अवधि समाप्त होने पर बुधवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए। जांच में सामने आया है कि श्रीगणपति ट्यूबवेल कंपनी के प्रोपराइटर महेश मित्तल और श्रीश्याम ट्यूबवेल कंपनी के प्रोपराइटर पदमचंद जैन ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी प्रमाण-पत्र तैयार कर जल जीवन मिशन के तहत करीब 960 करोड़ रुपए के टेंडर हासिल किए। एसीबी जांच में इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन मंत्री डॉ. महेश जोशी, विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल, कई मुख्य अभियंताओं, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं, ठेकेदारों और संजय बड़ाया की मिलीभगत सामने आई है। एसीबी के अनुसार 50 करोड़ रुपए से अधिक राशि के टेंडरों में साइट विजिट प्रमाण-पत्र की शर्त जोड़ने में भी संजय बड़ाया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जांच में पाया गया कि नियमों से हटकर यह शर्त जोड़ने से बोली लगाने वालों की पहचान उजागर हो जाती थी, जिससे टेंडर पुलिंग कर 30 से 40 प्रतिशत अधिक दरों पर निविदाएं स्वीकृत करवाई गईं। बताया जा रहा है कि ऐसे टेंडरों की कुल राशि करीब 20 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचती है।

## देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा सरकार सिर्फ संयम की अपील तक सीमित न रहे : हिफजुर्रहमान अजमल

**गोरखपुर ( हिंस )।** कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष एवं ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी हिफजुर्रहमान अजमल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से संयम बरतने की अपील पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के बयान से स्पष्ट है कि देश केवल पेट्रोल-डीजल, सोना, तेल और रसोई गैस की महंगाई ही नहीं, बल्कि बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। अजमल ने कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध जैसी परिस्थितियों ने भारत में ऊर्जा संकट और विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल की आर्थिक मार से आम जनता अभी पूरी तरह उबर भी नहीं पाई थी कि अब महंगाई और रोजमर्रा की जरूरतों का नया संकट सामने खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि गरीब, मजदूर और मेहनतकश वर्ग पहले से ही रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहा है, ऐसे में केवल संयम बरतने की अपील करना पर्याप्त नहीं है। सरकार को जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। हिफजुर्रहमान अजमल ने केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की कि गरीब परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की जाए, ताकि उन्हें आर्थिक दबाव से कुछ राहत मिल सके।

# प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी कैंडिडेट बैठाने का आरोपी आरपीएससी लिपिक गिरफ्तार

**अजमेर ( हिंस )।** राजस्थान लोक सेवा आयोग भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और शुचिता बनाए रखने के लिए पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। आयोग की आंतरिक सतर्कता के चलते प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में आयोग सचिव ने एफआईआर दर्ज करवाई, जिसके बाद एसओजी ने आयोग के ही एक लिपिक को गिरफ्तार कर लिया है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने 25 फरवरी 2025 को जयपुर स्थित एसओजी थाने में अभ्यर्थी राजेश कुमार मीणा के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज करवाया। अभ्यर्थी राजेश कुमार मीणा ने प्राध्यापक स्कूल शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा 2022 में (रोल नंबर 730447) से इतिहास विषय की परीक्षा के दौरान उपस्थिति पत्रक पर अपनी फोटो के स्थान पर डमी कैंडिडेट की फोटो जनरेट की थी। आरोपी ने हस्ताक्षर और जन्म तिथि में भी हेरफेर कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए। इस धोखाधड़ी के दम पर उसने मुख्य चयन सूची में 569वीं रैंक भी हासिल कर ली थी, जिसे आयोग ने समय रहते पकड़ लिया। आयोग प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए इनपुट के आधार पर एसओजी ने कार्यवाही करते हुए आयोग में ही कार्यरत लिपिक मानसिंह मीणा निवासी- सोप, तहसील- नादोती, जिला करौली को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ कि मानसिंह और अभ्यर्थी राजेश कुमार मीणा परिचित हैं एवं मानसिंह ने इस अपराध में सहयोग किया है। मानसिंह मीणा ने 10 नवंबर 2020 को आयोग में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यग्रहण किया था। आरोपी ने इन दो केंद्रों पर डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाई थी। 17 अक्तूबर 2022 को लर्निंग स्टेप स्कूल, सत्येन्द्र कॉलोनी, ईएसआई हॉस्पिटल के पास, सोडाला, जयपुर (सामान्य ज्ञान विषय)। 18 अक्तूबर 2022 को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चरण नदी-।।, नदी का फाटक, बेनार रोड, जयपुर (इतिहास विषय)। आयोग सचिव ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि यह सीधे तौर पर राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा की शुचिता को खण्डित करने एवं धोखाधड़ी का प्रकरण है। आयोग ने साक्ष्य के रूप में अभ्यर्थी की मूल ओएमआर शीट, उपस्थिति पत्रक और आवेदन पत्र सहित कुल 13 महत्वपूर्ण दस्तावेज फरवरी 2025 में ही एसओजी को सौंप दिए थे।

# सुल्तानगंज गोलीकांड के मुख्य आरोपी के घर चला बुलडोजर

**भागलपुर ( हिंस )।** अब बिहार में अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलने लगा है। बुधवार को जिले के नगर परिषद सुल्तानगंज गोलीकांड मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रामधनी यादव के घर पर बुलडोजर चला दिया। प्रशासन की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और अवैध कब्जे को ध्वस्त कर दिया। उल्लेखनीय है कि बीते 28 अप्रैल मंगलवार को नगर परिषद सुल्तानगंज कार्यालय में दिनदहाड़े घुसकर तीन अपराधियों ने कार्यपालक पदाधिकारी कृष्णा भूषण कुमार और नगर सभापति राज कुमार गुड्डू को गोली मार दी थी। इस सनसनीखेज घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना के 16वें दिन जिला प्रशासन के निर्देश पर अंचल पदाधिकारी अनुज कुमार झा दल-बल के साथ आरोपी रामधनी यादव के घर पहुंचे और बुलडोजर चलवाकर मकान को ध्वस्त कर दिया। अंचल पदाधिकारी अनुज कुमार झा ने बताया कि रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ पहले नापी कर नोटिस चिपकाया गया था। बावजूद इसके अवैध कब्जाधारियों ने जमीन खाली नहीं की। जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि रेलवे की जमीन पर बने अवैध मकानों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान दर्जनों पुलिस जवान और प्रशासनिक कर्मी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई को गोलीकांड के बाद अपराधियों और अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

# सपा प्रमुख अखिलेश के छोटे भाई प्रतीक का निधन, मुख्यमंत्री योगी समेत तमाम राजनेताओं ने आवास पर पहुंच कर दी श्रद्धांजलि

**लखनऊ ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव (38 वर्ष) का आज बुधवार सुबह निधन हो गया। पुलिस ने शव का किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम करायाद्य डॉक्टरों ने मौत की वजह कार्डियेक अरेस्ट बताया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर में किसी प्रकार का चोट का निशान नहीं है और आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित रख लिया गया है। प्रतीक के निधन की खबर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत तमाम राजनेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और परिवार को ढांढस बंधाया। प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव भाजपानेत्री के साथ साथ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं और घटना के समय वे प्रदेश से बाहर थीं। वे भी दोपहर बाद आवास पहुंची। प्रतीक का अंतिम संस्कार कल लखनऊ में होगाद्य समाजवादी पार्टी के संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव और उनकी दूसरी पत्नी स्वर्गीय साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव की बुधवार सुबह लगभग छह बजे किचेन में गिरने से अचानक तबियत बिगड़ गईद्य परिजन उन्हें लेकर सिविल अस्पताल हजरतगंज पहुंचे। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनके शव का किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया। प्रतीक यादव की मृत्यु की खबर फैलते ही लखनऊ से लेकर सैफई तक शोक की लहर दौड़ गयी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव छोटे भाई प्रतीक यादव की मौत की खबर पाकर तुरंत पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और दुख जताते हुए पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने प्रतीक को होनहार बताते हुए कहा कि उन्होंने एक अलग क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि अगर परिवार किसी प्रकार की जांच चाहता है तो होनी चाहिए। उन्होंने प्रतीक के साथ हुई अपनी मुलाकातों को भी साझा किया। लगभग दो घंटे तक छह डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमार्टम किया और जांच के लिए विसरा को सुरक्षित रखा। इसके बाद प्रतीक का पार्थिव शरीर उनके लखनऊ के विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास लाया गया, जहां परिजनों और शुभचिंतकों द्वारा अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि दी जा रही है। प्रतीक के असामयिक निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्रतीक यादव के आवास पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा सांसद साक्षी महाराज, समाजवादी पार्टी की सांसद व अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव, शिव पाल सिंह यादव, कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता सिंह, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव, विधान परिषद सदस्य लाल बिहारी यादव, विधायक रविदास मेहरोत्रा समेत बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, विधायक, सांसद और पदाधिकारी प्रतीक यादव के आवास पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतीक के आवास पर पहुंच कर अंतिम दर्शन करने श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रतीक का अंतिम संस्कार गुरुवार दोपहर 12.30 बजे पिपराघाट लखनऊ में किया जायेगा। प्रतीक यादव के शव का पोस्टमार्टम होने के बाद अब रिपोर्ट भी सामने आ गई है। डॉक्टरों ने कार्डियक अरेस्ट से मौत होने की वजह बतायी है। रिपोर्ट के अनुसार आक्सीजन सप्लाई रुकने से हालात बिगड़ी है। बड़ा ब्लड क्लाट बनने से सांसें रुक गई थीं जबकि खून के थक्के फेफड़ों की धमनियों में फंस गये थे और इसलिए मौत हुई है। रिपोर्ट में यह भी यह है कि दिल के दाहिने हिस्से में दबाव अधिक बढ़ गया था। सिविल अस्पताल प्रशासन ने भी मृत्यु के लिए किसी प्रकार के जहर की पुष्टि नही की है। प्रतीक यादव की मौत को लेकर लखनऊ के मध्य क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

# ब्लैकआउट मॉकड्रिल को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने अधिकारियों और प्रबुद्धजनों के साथ की बैठक

**अररिया ( हिंस )।** हवाई हमले और ब्लैकआउट को लेकर कल गुरुवार शाम में सात बजे से होने वाले जिला में मॉकड्रिल को लेकर फारबिसगंज अनुमंडल प्रशासन ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रबुद्धजनों के साथ बुधवार को बैठक की। जिसमें ब्लैकआउट मॉकड्रिल की सफलता को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। अनुमंडल पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार साहा के नेतृत्व में आयोजित बैठक में जागरूकता के लिए शहरी और ग्रामीण इलाकों में माइकिंग करवाने, अनुमंडल के अधीनस्थ नगर निकाय क्षेत्र फारबिसगंज, जोगबनी और नगर परिषद क्षेत्र में सिविल सोसाइटी के साथ बैठक कर गुरुवार 14 मई को शाम सात बजे से सवा सात बजे तक ब्लैकआउट करने के लिए किसी तरह की रोशनी उत्पन्न नहीं करने

और विभिन्न स्थानों पर अलार्म बजाकर अलर्ट करने की वृहत चर्चा की गई। बैठक में एसडीएम और एसडीपीओ ने आमजनों से ब्लैकआउट मॉकड्रिल को सफल बनाने के लिए गुरुवार शाम सात बजे से अपने अपने घरों और प्रतिष्ठान की लाइट बंद रखने की अपील की। बैठक में एसडीएम और एसडीपीओ के अलावा बीडीओ संजय कुमार, मुख्य पार्षद वीणा देवी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी अविनाश कृष्ण, फारबिसगंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार, जोगबनी थानाध्यक्ष महादेव कामत, बथनाहा थानाध्यक्ष राजवीर साहू, नरपतगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार, सिमराहा थानाध्यक्ष प्रेम कुमार, विद्युत विभाग की एसडीओ कोमल कुमार, जेईई कैलाश कुमार, अनुमंडलीय अस्पताल प्रबंधक प्रवीण कुमार, अग्निशमन पदाधिकारी वकील अहमद, एसएसबी के अधिकारी हरेंद्र कुमार, समाजसेवी वाहिद अंसारी, रमेश सिंह, मनोज कुमार जायसवाल, डिम्पल चौधरी, प्रो.गणेश ठाकुर, रजत रंजन, सुरेंद्र यादव, नंदन ठाकुर सहित अन्य मौजूद रहे।

**संकेत** ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इससे देश की तेल कंपनियों का भारी घाटा हो रहा है।

# सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ने के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी? आरबीआई गवर्नर ने दिया संकेत

**नई दिल्ली।**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के मद्देनजर लोगों से पेट्रोल-डीजल बचाने, विदेश यात्रा और सोने की खरीद से परहेज करने की अपील की थी। इस बीच सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। इस बीच पेट्रोल और डीजल पर भी आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बड़ा संकेत दे दिया है। मल्होत्रा का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में लंबे समय तक संघर्ष बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ानी पड़ सकती है। ईरान युद्ध ने भारत के एनर्जी इम्पोर्ट, इनफ्लेशन आउटलुक और सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ा दिया है।

भारत दुनिया में तेल का तीसरा बड़ा उपभोक्ता है लेकिन ईरान युद्ध के कारण उसका आयात बिल काफी बढ़ गया है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने का कारण कच्चे तेल का आयात प्रभावित हुआ है। भारत का ज्यादातर तेल खाड़ी देशों से ही आता है। तेल महंगा होने से ऑयल कंपनियों को भारी घाटा हो रहा है लेकिन भारत ने अब तक पेट्रोल-डीजल की कीमत नहीं बढ़ाई है। कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का कहना है कि यह बोझ आम लोगों पर डाला जाना चाहिए।

**तेल कंपनियों पर बोझ**

मल्होत्रा ने एक कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर ईरान संकट लंबे समय तक बना रहता है तो सरकार के पास पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि एक्साइज ड्यूटी को पहले ही कम कर दिया गया है और सरकारी तेल कंपनियां कच्चे तेल की कीमत में तेजी को खुद ही वहन कर रही हैं। अब तक इसे उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया है।

इस बीच सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकारी कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी, इंडस्ट्रियल डीजल, 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर और इंटरनेशनल एयरलाइन्स के लिए जेट फ्यूल की कीमत में इजाफा कर चुकी हैं। हालांकि पेट्रोल-डीजल में अब तक कोई इजाफा नहीं किया गया है। आईएमएफ ने हाल ही में कहा था कि पेट्रोल-डीजल की महंगाई का बोझ आम लोगों पर डाला जाना चाहिए।

**पेट्रोल-डीजल की कीमत**

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अभी 94.77 रुपये प्रति लीटर है जबकि डीजल 87.67 रुपये लीटर मिल रहा है। इस बीच कच्चे तेल की कीमत में आज मामूली गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड 0.28% गिरावट के साथ 107.5 डॉलर प्रति बैरल पर है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कच्चे तेल की कीमत में करीब 50 फीसदी तेजी आई है। पिछले महीने यह 126 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था जो 2022 के बाद इसका उच्चतम स्तर था।

## भारत की पॉलिसी से घबराया चीन, एक के बाद एक कर रहा पंगे

**नई दिल्ली।**
भारत के आत्मनिर्भरता के प्रयास चीन को चुभ रहे हैं। सोलर एनर्जी और आईटी जैसे क्रिटिकल सेक्टर में भारत की स्कीमें (मसलन पीएलआई स्कीम) की राह में वह अड़ंगे डालने में लगा है। बार-बार पेंच फंसाने की कोशिश से उसकी घबराहट का साफ पता चलता है। इसके लिए उसने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को जरिया बनाया है। अब बीजिंग ने डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान संस्था से एक पैनल बनाने की अपील की है। यह अपील उस मामले के संबंध में है जो चीन ने भारत के खिलाफ दायर किया है। यह मामला नई दिल्ली की ओर से सोलर सेल, मॉड्यूल और इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्रों के लिए दिए गए सहायता उपायों से जुड़ा है।

भारत का अपनी पॉलिसी पर रुख काफी साफ और रणनीतिक रहा है। इसे वह सिर्फ एक व्यापारिक विवाद के तौर पर नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक संप्रुभता और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तौर पर देखता है। पिछले साल दिसंबर में चीन ने विवाद पर आपसी सहमति से कोई समाधान निकालने के लिए अर्जी दी थी।

हालांकि, विवाद पर आपसी सहमति से कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद फिर ताजा अपील की गई है। आपसी सहमति से समाधान निकालने के मकसद से 10 फरवरी, 2026 को ये बातचीत हुई थी।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के एक संदेश में कहा गया है, 'दुर्भाग्य से, ये बातचीत विवाद को सुलझाने में फेल रही। इसलिए, चीन ने एक पैनल गठित करने के लिए अनुरोध प्रस्तुत किया है।'

**चीन का आरोप क्या है?**

चीन ने आरोप लगाया है कि भारत की ओर से कुछ तकनीकी उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ या आयात शुल्क, और आयातित सामानों के बजाय घरेलू उत्पादों के इस्तेमाल जैसे उपाय चीनी सामानों के साथ भेदभाव करते हैं।

## न्यूज ब्रीफ.....

### गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में जबरदस्त उछाल, कस्टम ड्यूटी बढ़ते ही निवेशकों की हुई चांदी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने बुधवार को सोना-चांदी के निवेशकों को बड़ी खबर दी। सरकार ने सोना-चांदी पर इम्पोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी। ऐसे में अब सोना-चांदी खरीदना महंगा हो गया है। इस खबर के बाद मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी की कीमत में तेजी आई। वहीं दूसरी ओर ज्वेलरी स्टॉक्स धड़ाम हो गए। इस बीच गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ ने बुधवार को निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया। इनमें 15% तक की तेजी आई। सरकार की ओर से घोषित इम्पोर्ट ड्यूटी की बढ़ी हुई दरें बुधवार 13 मई से लागू हो गई हैं। बुधवार सुबह जब बाजार खुला तो लोगों से गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में खरीदारी तेज कर दी। बुधवार सुबह गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में तेजी इस प्रकार रही- **गोल्ड ईटीएफ:** कुल 25 गोल्ड ईटीएफ में से क्वांटम गोल्ड फंड करीब 15% की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा। टाटा गोल्ड ईटीएफ में 12% और जेरोधा गोल्ड ईटीएफ में लगभग 9% की तेजी आई। **सिल्वर ईटीएफ:** चांदी पर आधारित ईटीएफ में 10% तक का उछाल आया। इनमें एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और यूटीआई सिल्वर ईटीएफ टॉप गेनर्स रहे।

### अडानी के साथ उड़ेगी उबर, अहमदाबाद में हुई खास मीटिंग, भारत में बनेगा कंपनी का पहला डेटा सेंटर

**नई दिल्ली।** कैब सर्विस कंपनी उबर भारत में अडानी ग्रुप के साथ मिलकर पहला डेटा सेंटर स्थापित करेगी। इसकी वजह देश का कंपनी के लिए बड़े इनोवेशन हब के रूप में उभरना है। यह जानकारी उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही ने बुधवार को दी। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी से मुलाकात के बाद डेवलपमेंट के बारे में जानकारी शेयर करते हुए उबर के सीईओ ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लिए एक अग्रणी इनोवेशन केंद्र बन रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह अहमदाबाद में गौतम अडानी से मिलकर बहुत अच्छा लगा और अडानी ग्रुप के साथ हमारी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर मिला।' प्रस्तावित डेटा सेंटर से भारत में उबर के बढ़ते टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कार्यों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। भारत कंपनी के लिए न केवल मोबिलिटी सेवाओं में, बल्कि इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास में भी एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया है। कंपनी के सीईओ ने कहा कि इस साल के अंत तक तैयार होने वाला यह निवेश हमें भारत से दुनिया भर के लिए बड़े पैमाने पर विकास करने में मदद करेगा। जैसे-जैसे भारत उबर के लिए एक प्रमुख इनोवेशन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है, हम अपनी तकनीक का परीक्षण और तैनाती करने के लिए अडानी ग्रुप के साथ देश में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर रहे हैं। डेटा सेंटर सेक्टर की रेस में मुकेश अंबानी भी शामिल हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करने जा रही है। मुकेश अंबानी की यह कंपनी इस परियोजना में 1.6 लाख करोड़ रुपये (17 अरब डॉलर से ज्यादा) का निवेश करेगी। यह परियोजना 1.5 गीगावॉट क्षमता वाली होगी, जो भारत में अब तक की सबसे बड़ी डेटा सेंटर परियोजना मानी जा रही है।

### ऑपरेटिंग कॉस्ट भी नहीं निकाल पा रही एयर इंडिया

**नई दिल्ली।** सोशल मीडिया पर एक वायरल पोस्ट में दावा किया गया था कि टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया ने फ्यूल शॉर्टेज यानी तेल की कमी के कारण जुलाई तक अपनी सभी इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल कर दी है। लेकिन एयर इंडिया ने इसे फर्जी बताया है। हालांकि कंपनी ने कुछ इंटरनेशनल नेटवर्क पर उड़ानों की संख्या में कटौती की है। यह कटौती जून से शुरू होगी और तीन महीने तक चलेगी। पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इससे जेट फ्यूल भी काफी महंगा हुआ है और एयरलाइन कंपनियों का मुनाफा प्रभावित हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया ने शिकागो, नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई के लिए दिल्ली से उड़ानें पूरी तरह सस्पेंड करने की घोषणा की हैं। साथ ही सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो के लिए फ्लाइट्स की संख्या कम कर दी है। कुल मिलाकर कंपनी ने डेली करीब 100 फ्लाइट्स कम की हैं। जेट फ्यूल यानी विमानों में यूज होने वाले ईंधन की कीमत में तेजी से कंपनी का ऑपरेशन प्रभावित हुआ है।

**बड़ी डील** भारत और रूस मिलकर लिथियम और रेयर अर्थ मेटल्स सहित महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, प्रोसेसिंग और तकनीकी सहयोग पर जोर दे रहे हैं।

# भारत और रूस मिलकर निकालेंगे ये खजाना, जल्द होने वाली है बड़ी डील

**नई दिल्ली।**
भारत और रूस मिलकर एक बड़ी डील करने वाले हैं। यह डील रेयर अर्थ यानी महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की खोज, उनकी प्रोसेसिंग और तकनीकी सहयोग से जुड़ी होगी। रॉयटर्स के मुताबिक इस डील पर दोनों देश जल्दी ही साइन कर सकते हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए सप्लाई सुनिश्चित करना और चीन पर भारत की निर्भरता को कम करना है।

**क्या है इस डील का मुख्य उद्देश्य?**

- यह समझौता मुख्य रूप से लिथियम और रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिज) पर केंद्रित होगा।
- अगले दो महीनों के भीतर इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। भारत ने पहले ही प्रस्तावित समझौते का मसौदा रूस के साथ शेयर कर दिया है।
- वर्तमान में चीन कई महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति और प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी पर हावी है। भारत अपनी ऊर्जा परिवर्तन योजनाओं के लिए नए विदेशी सोर्स सुरक्षित करना चाहता है।

**रूस के पास कितना भंडार?**

- रूस के पास खनिजों का विशाल भंडार है, लेकिन उसके पास प्रोसेसिंग की आधुनिक तकनीक और उत्पादन क्षमता की कमी है। रूस के खनिज भंडार इस प्रकार हैं:
- रूस के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के अनुसार देश में अनुमानित 2.85 करोड़ मीट्रिक टन रेयर अर्थ मेटल्स और 6.50 करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा रेयर मेटल्स मौजूद हैं।
- रूस सालाना 3000 टन रेयर अर्थ की खपत करता है, लेकिन प्रोडक्शन केवल 50 टन ही होता है। अपनी जरूरतों का 98% वह आयात करता है।
- बात अगर लिथियम की करें तो रूस की स्थिति खराब है। रूस अपनी लिथियम की सारी जरूरत आयात से पूरी करता है।

**माली प्रोजेक्ट पर फिर से विचार**

सूत्रों का कहना है कि अगर पश्चिम अफ्रीकी देश माली में राजनीतिक स्थिति स्थिर होती है, तो भारत रूसी सरकारी परमाणु निगम रोसाटॉम के लिथियम एक्सप्लोरेशन प्रोजेक्ट में फिर से शामिल होने पर विचार कर सकता है। इससे पहले सुरक्षा कारणों से भारत इस प्रोजेक्ट से पीछे हट गया था।

**भारत के अन्य वैश्विक प्रयास**

- भारत ने केवल रूस ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों के साथ भी खनिज सुरक्षा के लिए गठबंधन किए हैं:
- भारत पहले ही अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ समझौते कर चुका है।
- पेरू और चिली के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं का दौर जारी है।
- भारत सरकार ने रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने वाली निजी कंपनियों के लिए 2500 करोड़ रुपये (261 मिलियन डॉलर) का इंसेंटिव प्रोग्राम भी तैयार किया है।

**क्यों महत्वपूर्ण है यह डील?**

इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बैटरी, रिन्यूएबल एनर्जी और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के लिए लिथियम और रेयर अर्थ बेहद जरूरी हैं। साल 2023 में भारत सरकार ने 20 से अधिक खनिजों को क्रिटिकल यानी रेयर घोषित किया था। रूस के साथ यह साझेदारी भारत को न केवल कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, बल्कि नई तकनीक तक पहुंच भी प्रदान करेगी।

## पृष्ठ तीन का शेष

### हिमंत मंत्रिमंडल ने ...

हिस्सा मानती रही है। पार्टी का तर्क है कि इससे सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलेंगे और लैंगिक न्याय सुनिश्चित होगा। वहीं विपक्षी दलों और कई सामाजिक संगठनों का कहना है कि यह देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता को प्रभावित कर सकता है। मुख्यमंत्री ने आगे जानकारी दी कि असम विधानसभा का सत्र 21, 22, 25 और 26 मई को आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प पत्र ही नई सरकार के संचालन का आधार बनेगा। सरकार ने दो लाख सरकारी नौकरियों के लक्ष्य को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव सभी विभागों के साथ चर्चा कर अगले पांच वर्षों में युवाओं को सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने की रूपरेखा पर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कैबिनेट ने महान गायक एवं सांस्कृतिक पुरोधा डॉ. भूपेन हजारिका की जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम को आगामी 8 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित करने का निर्णय लिया। साथ ही, कलाक्षेत्र में डॉ. भूपेन हजारिका का संग्रहालय स्थापित किया जाएगा, जिस पर 32 करोड़ खर्च होंगे। इसमें से 13 करोड़ रुपए नॉर्थ ईस्ट काउंसिल द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, देवजीत लोन सैकिया को आगामी पांच वर्षों के लिए राज्य सरकार का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया है। मालूम हो कि देश में अब तक उत्तराखंड ने यूसीसी लागू करने की दिशा में सबसे ठोस कदम उठाया है। गोवा में पहले से एक समान नागरिक कानून जैसी व्यवस्था लागू है। गुजरात सरकार भी इस दिशा में काम कर रही है। अब असम सरकार के इस फैसले को भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू करने की मुहिम का अगला बड़ा कदम माना जा रहा है। हिमंत विश्व शर्मा सरकार ने पहले भी कहा था कि वह अपने चुनावी घोषणापत्र के वादों को संवैधानिक दायरे में रहकर लागू करेंगे। यूसीसी को राज्य सरकार के *एनडीए 3.0* शासनकाल के प्रमुख सुधार एजेंडे में शामिल माना जा रहा है।

### राज्य में आज से छह ...

प्रतिबंध भी लगा दिया है। कल से अगले छह महीनों तक कोई भी सरकारी मंत्री, कर्मचारी या अधिकारी चिकित्सा आपात स्थिति को छोड़कर, अपने स्वयं के खर्च पर भी विदेश यात्रा नहीं कर सकेगा, शर्मा ने घोषणा की। उन्होंने आगे कहा कि अब किसी भी आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी, जबकि अधिकारियों को गुवाहाटी से ही वर्चुअल माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण कदम में, असम सरकार ने राजभवन से जुड़े मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित उनके साथ चलने वाले काफिलों का आकार कम करने का निर्णय लिया है। राज्यपाल के काफिले सहित, मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के काफिले को कम से कम अगले छह महीनों के लिए छोटा कर दिया जाएगा, शर्मा ने कहा। राज्य सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में ईंधन पर होने वाले खर्च में 20 प्रतिशत की कटौती करने और मितव्ययिता की अवधि के दौरान विदेशी निर्मित उत्पादों की खरीद से बचने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अगले छह महीनों के लिए, असम सरकार अंतर्राष्ट्रीय या विदेशी उत्पादों की खरीद नहीं करेगी, चाहे वह मोबाइल फोन हों या अन्य वस्तुएं। सरकारी विभागों द्वारा आयोजित किए जाने वाले भौतिक सेमिनार और कार्यशालाओं को भी अगले छह महीनों के लिए स्थगित कर दिया गया है और खर्च को कम करने के लिए इन्हें वर्चुअल रूप से आयोजित किया जाएगा। इसी बीच, सरकार ने ऊर्जा संरक्षण रणनीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को किराए पर लेने और 15 से 20 साल से अधिक पुराने वाहनों को धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से हटाने की योजना की घोषणा की। असम में अपनाए गए मितव्ययिता के उपाय प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए इसी तरह के कदमों के तुरंत बाद आए हैं। नई दिल्ली में आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मोदी ने गुजरात और असम की हालिया घरेलू यात्राओं के दौरान अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया था, जबकि अनिवार्य एसपीजी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना जारी रखा था। सूत्रों ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे नए वाहन खरीदे बिना, जहां भी संभव हो, अपने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करें। ये उपाय रविवार को हैदराबाद में भाजपा की रैली में मोदी की टिप्पणियों के बाद आए हैं, जहां उन्होंने पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने का आह्वान किया और पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित करने के लिए नागरिकों से मितव्ययिता उपायों को अपनाने का आग्रह किया।

### अरुणाचल में गैंडे ...

रही है। होलोंगी वन अधिकारी नबम राकेश ने बुधवार को बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर गैंडे के संदिग्ध सींग को बेचने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर अधिकारियों ने ग्राहक बनकर तस्करों से संपर्क किया और असम-अरुणाचल सीमा क्षेत्र के होलोंगी में मिलने की योजना बनाई। उन्होंने बताया कि पहली बैठक सफल नहीं हो सकी, लेकिन दूसरी बैठक 12 मई को होलोंगी नदी क्षेत्र में तय की गई। इस दौरान अधिकारियों ने दो लोगों को हिरासत में लिया।

### डिब्रूगढ़ : जिला प्रशासन...

तक भी बढ़ा दिया है, जिनमें वेबसाइटें, सोशल मीडिया पेज, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग चैनल, ऑनलाइन चर्चा समूह और अन्य डिजिटल माध्यम शामिल हैं जो चरमपंथी विचारधारा का प्रचार करते हैं या ऐसे संगठनों से संबंधित सामग्री प्रसारित करते हैं। डिब्रूगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को संबोधित एक पत्र में, जिला प्रशासन ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। पुलिस अधिकारियों को प्रतिबंधित सामग्री के प्रसार या कब्जे से जुड़े मामलों की पहचान करने और जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में की गई कार्रवाई के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

### पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश ...

पांच राज्य, अर्थात् असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम और पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करते हैं, जिनमें से असम की सीमा सबसे छोटी और पश्चिम बंगाल की सीमा सबसे लंबी है। उन्होंने आगे कहा कि यह लंबे समय से हमारी चिंता रही है।

### खेड़ा के खिलाफ ...

इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने 1 मई को उन्हें अग्रिम जमानत दी थी। क्राइम ब्रांच ऑफिस में प्रवेश करने से पहले मीडिया से बात करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि जांच होने दीजिए। अंदर जा रहा हूं बात करने। मुझे बुलाया गया है, इसलिए मैं कानून का पालन करने आया हूं। न्यायपालिका और कानून का हम बहुत सम्मान करते हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बारे में वकील रीतम सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी थी। उन पर एक शर्त लगाई गई थी कि उन्हें असम पुलिस के सामने पेश होना होगा और जांच में सहयोग करना होगा। आज पवन खेड़ा गुवाहाटी पहुंचे और उन्होंने कथित प्रेस कांफ्रेंस और अलग-अलग देशों में रिनिकी भुइयां शर्मा की संपत्तियों के बारे में अपना बयान दर्ज कराया।

### जल्द दाखिल होगी ...

किया। बाहर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वे कानून का पालन करेंगे। इस दौरान जांच टीम उनसे सवाल-जवाब करेगी और उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। सीएम शर्मा ने कहा कि जांच की रफ्तार इस बात पर निर्भर करेगी कि पवन खेड़ा कितना सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सहयोग जारी रहता है तो चार्जशीट जल्द दाखिल की जा सकती है, लेकिन अगर सहयोग नहीं मिलता है तो समय लग सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार इस मामले को जल्द से जल्द समाप्त करना चाहती है।

### नागा और कुकी ...

कांगपोकपी में हुए हमले में थादौ बैपटिस्ट एसोसिएशन (टीबीए) और यूनाइटेड बैपटिस्ट काउंसिल (यूबीसी) के नेता शामिल थे। इस समूह का नेतृत्व टीबीए के अध्यक्ष रेव वी. सिटलहौ कर रहे थे। उनके साथ रेव एस.एम. हाओपु, रेव हेकाई सिमटे, रेव काइगौलुन, रेव पाओथांग, पादरी पाओगौ और ड्राइवर गौमांग भी थे। कुकी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट (कोहुर) ने इस हमले की निंदा की।

### अब पीएम मोदी...

को कम कर दिया है। पीएम मोदी की अपील के बाद कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने भी अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या को कम किया है। पीएम मोदी की अपील के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधे से भी कम कर दी है। गृहमंत्री के अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ईंधन की बचत के लिए अपने-अपने काफिले में कटौती की है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 मई 2026 को वैश्विक ऊर्जा संकट और वेस्ट एशिया के तनाव के बीच देशवासियों से *ईंधन संरक्षण* की अपील की थी। पीएम ने पेट्रोल-डीजल बचाने और विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने का आह्वान किया था।

### विस चुनाव 2021...

जुड़े मामलों की जांच को लेकर गंभीर शिकायतें मिली हैं। आदेश में कहा गया कि 2021 विधानसभा चुनाव के बाद आपके अधिकार क्षेत्र में दर्ज राजनीतिक हिंसा के पुराने मामलों की उचित कानूनी कार्रवाई के लिए समीक्षा की जाए। सरकार ने निर्देश दिया है कि 2021 चुनाव बाद हिंसा मामलों में दाखिल अंतिम रिपोर्टों की सावधानीपूर्वक जांच की जाए और जहां जांच में किसी प्रकार की लापरवाही या कमी पाई जाए, वहां मामलों को दोबारा खोलकर विस्तृत जांच की जाए। आदेश में यह भी कहा गया है कि जिन मामलों में प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी, लेकिन प्रारंभिक जांच में संज्ञेय अपराध सामने आते हैं, वहां नए मामले दर्ज किए जा सकते हैं। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को इस पूरी प्रक्रिया की व्यक्तिगत निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

### केंद्र सरकार ने ...

शामिल है। कोयला देश की ऊर्जा खपत का 55 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पूरा करता है। गैसीकरण से कोयला और लिग्नाइट को सिंथेसिस गैस (सिंगैस) में बदला जाता है, जिसका उपयोग ईंधन और रसायन बनाने में किया जाता है।

### एडीआर रिपोर्ट, सीएम ...

पांच मंत्री करोड़पति श्रेणी में आते हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की संपत्ति सबसे अधिक 35.16 करोड़ बताई गई है, जबकि उन्होंने 16.86 करोड़ की देनदारी भी घोषित की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सभी मंत्रियों की औसत संपत्ति लगभग 10.99 करोड़ है, जो उनके आर्थिक स्तर को दर्शाती है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि मंत्री अतुल बोरा ने अपने खिलाफ आपराधिक मामला घोषित किया है। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 409 के तहत लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात से जुड़ा है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह जानकारी उम्मीदवारों द्वारा दिए गए शपथपत्रों पर आधारित है। एडीआर रिपोर्ट के मुताबिक, 5 में से 4 मंत्रियों ने स्नातक या उससे अधिक योग्यता घोषित की है, जबकि एक मंत्री ने अपनी शैक्षिक योग्यता 10वीं पास बताई है। कैबिनेट में महिला प्रतिनिधित्व की बात करें तो इस बार केवल एक महिला मंत्री शामिल हैं, जो कि कुल मंत्रियों का 20 प्रतिशत है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 80 प्रतिशत मंत्री 51 से 70 वर्ष आयु वर्ग में आते हैं, जबकि एक मंत्री की आयु 46 वर्ष है। सबसे अधिक संपत्ति मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के पास है, जबकि सबसे कम संपत्ति 3.17 करोड़ रामेश्वर तेली के पास बताई गई है। एडीआर रिपोर्ट के अनुसार 5 में से 3 मंत्रियों ने अपनी देनदारियां घोषित की हैं। कुल मिलाकर कैबिनेट की वित्तीय प्रोफाइल में संपत्ति और देनदारी दोनों का स्पष्ट विवरण सामने आया है।

### पुणे में बस से ...

कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार ईंधन की खपत कम करना राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के हित में आवश्यक है। बस से यात्रा करने से न केवल ईंधन की बचत होगी बल्कि यातायात प्रबंधन और जनसुविधा भी बेहतर होगी। इसी कारण उन्होंने दौरे के दौरान सुरक्षा काफिले में तैनात वाहनों की संख्या सामान्य तैनाती की तुलना में 50 प्रतिशत तक घटाने का निर्देश दिया है। पत्र में पुणे शहर के पुलिस आयुक्त, पुणे, सतारा और सोलापुर के जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भी इसकी प्रति भेजी गई है।

आरसीबी और केकेआर के बीच आईपीएल 2026 का मुकाबला अपने निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो पाया।

# आईपीएल 2026: आरसीबी और केकेआर का मैच बारिश से रद्द हुआ तो क्या होगा, किसे फायदा और किसे नुकसान?

**रायपुर।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइस के बीच आईपीएल 2026 का 57वां मुकाबला अपने निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो पाया। रायपुर में बारिश होने की वजह से 7 बजे टॉस नहीं हुआ। यह मुकाबला शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम पर है। केकेआर के साथ ही आरसीबी के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण है। बारिश की वजह से मुकाबला रद्द होता है तो आरसीबी और केकेआर को 1-1 पॉइंट मिलेगा। आरसीबी के 12 मैचों में 15 पॉइंट हो जाएंगे। वहीं केकेआर के खिलाफ 11 मैचों में 10 पॉइंट हो जाएंगे।

### मैच रद्द होने का आरसीबी पर असर

आरसीबी अभी पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। उसका नेट रन रेट पहले नंबर पर चल रही गुजरात से बेहतर है। ऐसे में इस मैच में जीत से आरसीबी टेबल में पहुंच जाएगी। मैच रद्द होने के बाद भी दूसरे नंबर पर रहेगी। टीम को अपने अगले दो मैच पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद से खेलने हैं। आरसीबी के प्लेऑफ में जाने की उम्मीदों को रद्द होने से कुछ खास झटका नहीं लगेगा। लेकिन रद्द होने की स्थिति में आरसीबी को टॉप-2 में फिनिश करने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे।

### केकेआर को जीत चाहिए ही

अजिंक्य रहाणे की केकेआर का पहले भी एक मुकाबला पंजाब किंग्स के साथ रद्द हो चुका है। अपने पहले 6 मैचों में केकेआर को एक भी जीत नहीं मिली थई। उसके बाद से टीम लगातार 4 मैच जीत चुकी हैं। इस मैच के रद्द होने के बाद टीम के तीन मैच बचेंगे। वह उस तीनों को जीत लेती है तो 16 पॉइंट होंगे। टूनार्मेंट की वर्तमान परिस्थिति को देखकर 16 पॉइंट पर रहने वाली टीम भी प्लेऑफ में पहुंचने से चूक सकती है। केकेआर के 16 पॉइंट भी जाएंगे तो भी परेशानी है क्योंकि टीम के नाम 7 ही जीत होगी। ऐसे में अगर किसी टीम के 8 जीत से 16 पॉइंट हैं और उसके नेट रन रेट केकेआर से खराब है, फिर भी वह टेबल में केकेआर से ऊपर रहेगी।

# रिंकू सिंह की मां और बहन से मिले विराट कोहली, क्रिकेटर ने शेयर की खास स्टोरी

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 का 57वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच आज यानी 13 मई को रायपुर में खेला जाएगा। इस मैच से पहले विराट कोहली भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह की मां और बहन से मिले। बता दें कि आईपीएल में रिंकू सिंह लंबे समय से कोलकाता नाइटराइडर्स का हिस्सा हैं। रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विराट कोहली के साथ अपनी और मां की फोटो शेयर की है। नेहा की पोस्ट को रिंकू सिंह ने अपने ऑफीशियल इंस्टाग्राम पेज की स्टोरी पर शेयर किया है।

### रिंकू सिंह का आईपीएल करियर

28 साल के रिंकू सिंह 2018 से आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए ही खेल रहे हैं। जब से अब तक उन्होंने कुल 69 आईपीएल मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 145.2 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1336 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से आईपीएल में 6 अर्धशतक देखने को मिले हैं। 2023 के आईपीएल सीजन में रिंकू ने यश दयाल की 5 गेंद पर 5 छक्के लगाकर आखिरी ओवर में केकेआर को मैच जिताया था। वहां से उनको एक नई पहचान मिली। उसके बाद रिंकू को भारत के लिए खेलने का भी मौका मिला। रिंकू ने भारत के लिए 2 वनडे और 45 टी20 मैच भी खेल रखे हैं।

## पहला कालम

### टीम इंडिया के रोडमैप के लिए बीसीसीआई की मीटिंग, बुमराह और शमी पर हो सकता है बड़ा फैसला

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है। 31 मई को लीग का फाइनल होना है। उसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरूआत होगी। 6 जून से भारतीय टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है। माना जा रहा है कि आईपीएल के खत्म होने से पहले ही अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट के लिए भारतीय टीम का चयन हो जाएगा। इसके साथ ही चयन पर बीसीसीआई एक बैठक करने वाली है। इसमें जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने बीसीसीआई के साथ अगले कुछ महीनों के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए एक बैठक तय की है। यह चयन बैठक अगले 7-10 दिनों के भीतर हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि तेज गेंदबाजों के पूल को अंतिम रूप देना बोर्ड के एजेंडे में सबसे ऊपर है। इसमें शामिल गेंदबाजों को आईपीएल के बचे हुए मैचों में वर्कलोड बढ़ाने के लिए कहा जा सकता है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'चयनकर्ता सिर्फ इसलिए टेस्ट टीम की क्वालिटी से समझौता करने में विश्वास नहीं रखते कि भारत अफगानिस्तान के खिलाफ खेल रहा है। वे चाहते हैं कि बेस्ट टीम ही मैदान पर उतरे। वे टेस्ट कैप इतनी आसानी से बांटना नहीं चाहते। सिराज की वर्कलोड सहन करने की क्षमता बहुत अधिक है। प्रसिद्ध ने 24 अप्रैल के बाद से कोई आईपीएल मैच नहीं खेला है। नीतीश कुमार रेड्डी को भी एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर देखा जा रहा है, जो सीम-बॉलिंग विभाग में योगदान दे सकते है। वर्कलोड मैनेजमेंट की बात आती है, तो बीसीसीआई सभी डेटा पॉइंट्स पर नजर रखती है।' अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में बीसीसीआई हल्के में नहीं लेना चाहती। अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार के साथ ही जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में जगह मिलने का दावेदार माना जा रहा है। माना जा रहा है कि जसप्रीत बुमराह का भी चयन किया जा सकता है। वहीं एक साल से ज्यादा समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी को इस बार भी जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।

## आईपीएल 2026

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्लेऑफ के लिए रेस और भी ज्यादा रोमांचक हो गई है।

# 10 दिन, 8 टीमें और 4 स्पॉट, रोचक हुई प्लेऑफ की रेस, कुछ भी हो सकता है, समझें समीकरण

**नई दिल्ली।** चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के सही समय पर फॉर्म में लौटने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग प्लेआफ के चार स्थानों के लिये अब आठ टीमें दौड़ में हैं जबकि लीग चरण के दस दिन बाकी हैं। गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और गुजरात टाइटंस का प्लेआफ में पहुंचना तय लग रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद ने भी धीमी शुरूआत के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन सबसे हैरानी की बात पंजाब किंग्स का अचानक खराब प्रदर्शन है। अच्छी शुरूआत के बाद टीम लगातार चार मैच हार चुकी है। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स बाहर हो चुके हैं।

**रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु:**

रजत पाटीदार की कप्तानी वाली टीम ने उस निरंतरता को बरकरार रखा है जिसके दम पर उसने पिछले साल पहली बार आईपीएल खिताब जीता था। अब बुधवार को उसका सामना केकेआर से है जिसे जीतने पर उसकी प्लेआफ में जगह लगभग पक्की हो जायेगी। अब तक 11 मैचों में 14 अंक ले चुकी आरसीबी का नेट रनरेट सबसे बेहतर है । केकेआर के बाद उसे पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है।

**पंजाब किंग्स:**

खराब गेंदबाजी और फील्डिंग से पंजाब को लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है लेकिन आईपीएल के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन के कारण टीम अभी भी अंतिम चार में है। उसका नेट रनरेट भी ठीक है। अब उसे मुंबई इंडियंस, आरसीबी और सनराइजर्स के खिलाफ बाकी तीन में से दो मैच जीतने होंगे । उसके 11 मैचों में 13 अंक है और धर्मशाला में मुंबई के खिलाफ मैच हर हालत में जीतना होगा।

**गुजरात टाइटंस:**

चार साल पहले पदार्पण के बाद से गुजरात सिर्फ एक बार प्लेआफ में नहीं पहुंची है। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और शीर्ष तीन बल्लेबाजों के फॉर्म के दम पर शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम शीर्ष दो में जगह बनाने की दावेदार है। गुजरात के 12 मैचों में 16 अंक है और आखिरी दो मैच केकेआर तथा चेन्नई सुपर किंग्स से खेलने हैं।

**सनराइजर्स हैदराबाद:**

पिछले आठ मैचों में छह जीत के बाद सनराइजर्स सही समय पर फॉर्म में लौटी है। बल्लेबाजों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है और गेंदबाज भी पीछे नहीं रहे हैं। सनराइजर्स के 14 अंक है और अगले दो मैचों में उसे चेन्नई और आरसीबी से खेलना है। उसे प्लेआफ में पहुंचने के लिये कम से कम दो अंक और बनाने होंगे।

**चेन्नई सुपर किंग्स:**

पहले तीन मैच हारने के बाद चेन्नई ने पिछले आठ में से छह मैच जीते हैं । उसे 15 मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ दो अंक लेने होंगे जिसके बाद सनराइजर्स और गुजरात से आखिरी दो मैच खेलने हैं । अगले दस दिन में चेन्नई को तीनों मैच जीतने होंगे क्योंकि इस बार 18 अंक प्लेआफ क्वालीफिकेशन की गारंटी लग रहे हैं ।

**कोलकाता नाइटराइडर्स:**

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली टीम पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी लेकिन लगातार छह हार के बाद पिछले चार मैच जीतकर ढर्रे पर लौटी। उसके पास दूसरी टीमों से एक मैच अधिक है और अधिकतम 17 अंक मिल सकते हैं। केकेआर को आखिरी तीनों मैच ईडन गार्डस पर खेलने हैं।

**राजस्थान रॉयल्स:**

वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल के शानदार प्रदर्शन के बावजूद रॉयल्स प्रदर्शन में निरंतरता नहीं ला सके । चार जीत के साथ शुरूआत करने वाली टीम पिछले सात में से पांच मैच हार गई । गेंदबाजी भी उनका सिरदर्द बनी हुई है। 11 मैचों में 12 अंक लेने वाले रॉयल्स को अगले तीन में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे और बाकी परिणाम भी अनुकूल रहने की दुआ करनी होगी। उसे बाकी मैचों में दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जाइंट्स और मुंबई से खेलना है ।

**दिल्ली कैपिटल्स:**

अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली ने अगले सत्र की योजना बनानी शुरू कर दी है। उसके 12 मैचों में 14 ही अंक है और वह प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर ही है।

## आईपीएल 2026: कोहली ने रोहित और धोनी को पछाड़ा

**रायपुर।** विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में उतरे। यह विराट कोहली के आईपीएल करियर का 279वां मुकाबला है। 2008 में विराट ने आरसीबी के लिए आईपीएल डेब्यू किया था। तब से वह इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं।

### विराट ने धोनी और रोहित को पछाड़ा

आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड सीएसके महेंद्र सिंह धोनी के नाम था। उनके बाद मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और फिर विराट कोहली थी। इंजरी की वजह से धोनी अभी तक इस सीजन में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। रोहित शर्मा भी हैमस्ट्रिंग की इंजरी के कारण 5 मैचों में बाहर बैठे। इसकी वजह से विराट कोहली दोनों से आगे निकल गए। रोहित और धोनी के अभी 278-278 मैच हैं।

### आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी

- विराट कोहली- 279 मैच
- एमएस धोनी- 278 मैच
- रोहित शर्मा- 278 मैच
- रविंद्र जडेजा- 265 मैच
- दिनेश कार्तिक- 257 मैच

### विराट सबसे सफल बल्लेबाज भी

विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इसी सीजन उन्होंने अपने 9000 रन पूरे किए। लिस्ट में दूसरे नंबर के रोहित शर्मा के 7289 रन हैं। यह दिखाता है कि विराट कोहली का आईपीएल में डॉमिनेंस कैसा है। वह एक सीजन में सबसे ज्यादा 974 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। लीग में सबसे ज्यादा शतक और अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी विराट कोहली के नाम ही दर्ज है।

### विराट ने सिर्फ 4 मैच नहीं खेले

आरसीबी का आईपीएल केकेआर के खिलाफ मुकाबला 283वां मैच है। विराट कोहली ने लीग में अपनी टीम के लिए सिर्फ 4 मैच नहीं खेले हैं। 2008 के पहले सीजन में वह एक मैच नहीं खेले थे। 2017 में इंजरी की वजह से तीन मैचों में विराट को बाहर बैठना पड़ा था।

## चीन को उसके घर में हराकर भारत की बेटियों ने जीता गोल्ड, आनंद महिंद्रा ने यूं की सराहना

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला रिकर्व टीम ने शंघाई में आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 2 में मेजबान चीन के खिलाफ रोमांचक शूट-ऑफ में जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारत की दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और कुमकुम मोहद ने फाइनल मुकाबले में अपना संयम बनाए रखते हुए शूट ऑफ में चीन को 5-4 (28-26) से मात देकर गोल्ड मेडल जीता। 31 साल की दीपिका का वर्ल्ड कप में यह 12वां गोल्ड मेडल है। 2021 के बाद पहली बार उनके खाते में गोल्ड आया है।

चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीतने पर बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी भारतीय महिला आर्चरी टीम की सराहना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- शंघाई में, फाइनल में मेजबान चीन को हराना... इसे ही कहते हैं 'बुलज-आई'।

यह मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा। भारत ने पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन चीनी टीम ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया और चार सेट के निर्धारित मुकाबले के बराबर समाप्त होने के बाद मैच को शूट-ऑफ में धकेल दिया। निर्णायक प्रेशर में भारतीय तीरंदाजों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अनुभवी स्टार दीपिका कुमारी ने तब घरेलू दर्शकों के सामने इस यादगार जीत को पक्का करने की जिम्मेदारी संभाली और शूट-ऑफ के आखिरी तीर पर 9 अंक हासिल किए।

इससे पहले भारतीय टीम ने प्रतियोगिता में एक और बड़ा उलटफेर करते हुए सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में अपनी जगह पक्की की थी।

इस जीत के साथ भारत को टूनार्मेंट में अपना दूसरा पदक भी मिला। इससे पहले शनिवार को प्रवीण जाधव ने कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश के पदकों का खाता खोला था।

## ग्रुप स्टेज के 3 मैच रहते चेन्नई सुपर किंग्स ने साइन किया नया खिलाड़ी, टीम में इस प्लेयर को करेगा रिप्लेस

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के ग्रुप स्टेज के अभी 3 मुकाबले बाकी हैं। हालांकि अब इससे पहले ही पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने कथित तौर पर कर्नाटक के ऑलराउंडर मैकनील हेडली नोरोन्हा को साइन कर लिया है।

मैकनील चोटिल रामकृष्ण घोष को टीम में रिप्लेस करने वाले हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक,सीएसके ने बीसीसीआई को लेटर लिखा है और वो साइनिंग फाइनलाइज करने के लिए अप्रूवल के लिए इंतजार कर रही है। इस बात की पुष्टि खुद सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने की है।

### महाराजा ट्रॉफी में चमके थे मैकनील

2025 की महाराजा ट्रॉफी मेंगलुरु ड्रेगन्स ने जीती थी। उस सीजन 24 साल के नोरोन्हा मेंगलुरु की टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 13 मैचों में 148.82 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 253 रन बनाए थे। उन्होंने उस सीजन कुल 19 छक्के उड़ाए थे।

मैकनील हेडली नोरोन्हा ऑफ स्पिनर भी हैं। उन्होंने टूनार्मेंट में 7.44 की इकॉनमी से

गेंदबाजी करते हुए 10 विकेट भी लिए थे। उन्होंने फाइनल में हुबली टाइगर्स के खिलाफ 25 रन देकर 2 विकेट लिए थे, जोकि उनका गेंदबाजी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इतना ही नहीं बल्कि मैकनील को इसके बाद कर्नाटक की टीम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए भी शामिल किया गया था। उन्होंने 3 मैच खेले थे।

### कैसे चोटिल हुए थे रामकृष्ण घोष?

चेन्नई सुपर किंग्स के रामकृष्ण घोष आईपीएल 2026 में 1 ही मैच खेल पाए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उनको सीधे पैर में फ्रेक्चर हो गया था। इस मैच के बाद वह टूनार्मेंट से बाहर हो गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स ने अब तक इस सीजन 11 मैच खेले हैं, जिसमें से उन्होंने 6 में जीत दर्ज की है और वे 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में 5वें पायदान पर हैं।

## टेस्ट

इंग्लैंड की टेस्ट टीम से जैक क्राउली और ओली पोप को ड्रॉप कर दिया गया है। टीम में एमिलियो गे और जेम्स यूं को शामिल किया गया है।

# इंग्लैंड ने दो स्टार बल्लेबाजों को ड्रॉप किया, इटली के लिए खेल चुके खिलाड़ी को टेस्ट में दी जगह

**लंदन।** इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें दो साल की गैरमौजूदगी के बाद सीमर ओली रॉबिन्सन को वापस शामिल किया गया है। टीम की कमान बेन स्टोक्स के हाथों में है।

4 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने जा रहे इस मुकाबले के लिए 3 नए खिलाड़ियों एमिलियो गे, जेम्स यूं और सन्नी बेकर को शामिल किया है। इसके साथ ही ओली पोप को भी टीम से ड्रॉप कर दिया गया है।

### एशेज के बाद इंग्लैंड का पहला टेस्ट

यह मैच इंग्लैंड का एशेज में खराब प्रदर्शन के बाद पहला मुकाबला होगा। 32 वर्षीय रॉबिन्सन की वापसी ऐसे समय में हुई है, जब इंग्लैंड स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन और क्रिस वोक्स के संन्यास के बाद गेंदबाजी आक्रमण के लिए एक नए लीडर की तलाश में है, जिन्होंने 20 टेस्ट मुकाबलों में 76 विकेट लिए हैं। फिटनेस से जुड़ी चिंताओं के कारण 2024 के भारत दौरे के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था।

### इटली के लिए खेल चुके हैं एमिलियो

एशेज दौरे में खराब प्रदर्शन के कारण जैक क्राउली को टीम से बाहर कर दिया गया है, जिससे डरहम के एमिलियो के लिए बेन डकेट के साथ ओपनिंग का रास्ता खुल गया है। एमिलियो इटली की ओर से तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। वहीं, 12 फर्स्ट क्लास शतक लगा चुके जेम्स के रिजर्व मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज के तौर पर खेलने की संभावना काफी प्रबल है।

23 वर्षीय बेकर, अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की मुश्किल शुरूआत के बाद, रॉबिन्सन, जोश टंग, गस एटकिंसन और मैथ्यू फिशर के पेस ग्रुप में शामिल हो गए हैं। एशेज के दौरान नजरअंदाज किए गए शोएब बशीर को टीम में शामिल किया गया है और वह लेग-स्पिनर रेहान अहमद के साथ स्पिनर की जगह के लिए मुकाबला करेंगे। रेहान अहमद पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट मैच खेल सकते हैं।

### न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलियाई मार्कस नॉर्थ को अपना नया राष्ट्रीय चयनकर्ता भी नियुक्त किया है, जिन्होंने ल्यूक राइट की जगह ली है। लॉर्ड्स टेस्ट से पहले टीम 22 मई को लॉफबोरो में एकजुट होगी। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच इस सीरीज में 3 टेस्ट मैच खेले जाने हैं। सीरीज का अगला मैच केनिंग्टन ओवल में 17 जून से खेला जाएगा। 25 जून से ट्रेंट ब्रिज में तीसरे मुकाबले की शुरूआत होगी।

पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, सोनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स यूं, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), जोश टंग।

# कैसा हो जीवनसाथी

# HARD TO RESIST

मारा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। ये चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

### जिम्मेदार

जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसका पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते हैं कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

### खाना पकाने में माहिर

भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

### पैसे का मोल समझने वाली

यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

### समझदारी

पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बाते शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

### बेहतर दोस्त

पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

> सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

# शहर की पहचान थी ज़री

एक वक्त था जब ज़री वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही ज़री और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'ज़री' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'ज़री' नवाबों, रजवाड़ों, जमीदारों और हकिमों के महलों की ज़ीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब ज़री के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमें सितारे टकीं जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही ज़री के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा ज़री उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में ज़री के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में ज़री का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से ज़री के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। ज़री के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दों पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उद्देश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के ज़री उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने ज़री के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी ज़री के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी ज़री उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग ज़री कारीगरों को आप ज़री के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही ज़री उद्योग अपने ऊरूज में पहुंचा। बेगम साबि ने ही ज़री उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एक-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल ज़री हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोते वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। ज़री के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही वजूद में हैं। दरअसल ज़री का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, कलखखा ज़री का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर ज़री साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टीकोजी, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल की पहचान ज़री के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का ज़री बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक ज़री बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब ज़री के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रही हैं। भोपाल के चांदबढ़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

> किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

# कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि- मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जेमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जेमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जेमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आधारों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व अराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको आपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

### ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण

सूर्य: राम व विष्णु
चंद्र: शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल: हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंग
बुध: गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति: विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र: परशुराम, लक्ष्मी
शनि: भैरव, यम, कुर्म, हनुमान
राहु: सरस्वती, शेषनाग
केतु: गणेश व मत्स्य

# प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्राकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेगें तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएगें। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

### संतुलित खान-पान

स्वस्थ रहने के इन तरीको को मे सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते हैं।

### मिट्टी से उपचार

शरीर पर तरह तरह की मिट्टियो का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

### उपवास भी है फायदेमंद

उपवास को प्राचीन समय से स्वस्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरुर उपवास करें।

### मालिश भी है जरूरी

मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करने हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

**पानी से उपचार** स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंद्र खुल जाते हैं, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

# बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

**कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कॅरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..**

### ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज

1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की संभावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

### शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी

लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

### किताबों तक पहुंचना हो आसान

लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुसीबत न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

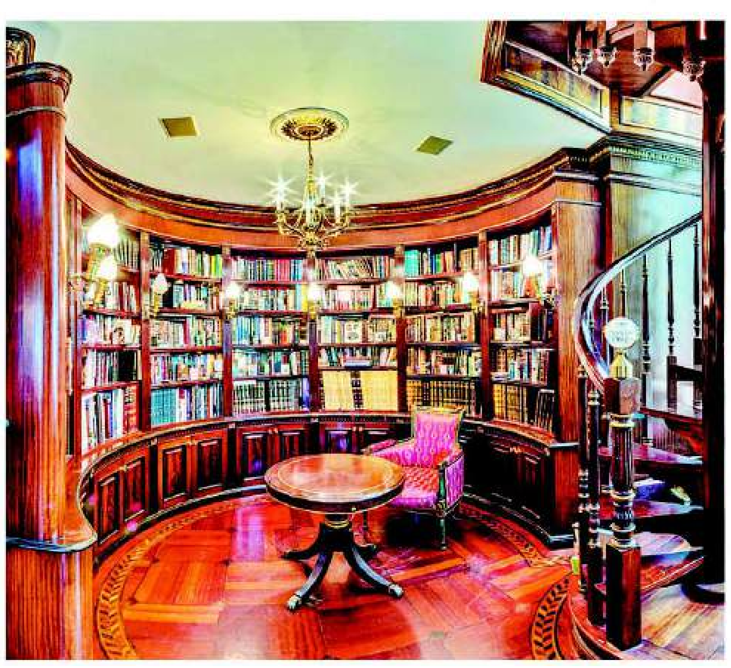

# वास्तुः दिशा सही, सीढ़ी सही

सीढ़ियों ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में कई चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध है, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नहीं किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

### दिशा सीढ़ियों की

सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

### इनका ध्यान रखें

सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धननाश व व्यापार में हानि तथा कर्जों का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, वहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चा व बूढ़ा आसानी से बिना थके चढ़ सके। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**